■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 222 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 12-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'मुझे बेवजह भाजपा की 'बी' टीम कहकर बदनाम किया जाता है'

6 फूहड़ कंटेंट, सोशल मीडिया और संस्कृति : जिम्मेदारी किसकी ?

7 मैं कभी भी एक अच्छी डांसर नहीं रहीं : जीनत अमान

फर्स्ट टेक

बदरीनाथ, केदारनाथ में इस वर्ष से गैर सनातनी का प्रवेश वर्जित

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में इस वर्ष से गैर सनातनी का प्रवेश वर्जित रहेगा। मंदिर समिति के एक पदाधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। द्विवेदी ने बताया कि यह निर्णय अगले माह शुरू हो रही यात्रा से लागू होगा और अब गैर सनातनी, मंदिर परिसरों और गर्भगृहों में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इससे पहले, उन्होंने कहा था कि गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की व्यवस्था आदि शंकराचार्य के समय से ही है और भारतीय संविधान भी धार्मिक स्थलों के प्रबंधन का अधिकार देता है।

सरकार ने 'टेलीग्राम' को 3,100 से अधिक चैनल निष्क्रिय करने के निर्देश दिए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बुधवार को त्वरित संदेश मंच 'टेलीग्राम' को कॉपीराइट कानून का उल्लंघन करने वाले 3,100 से अधिक चैनल को तीन घंटे के भीतर निष्क्रिय करने का निर्देश दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह पाया था कि इन चैनल पर कुछ सामग्री मालिकों, ओटीटी मंचों और निर्माताओं के स्वामित्व वाले या उनके लाइसेंस-प्राप्त कार्यक्रमों को बिना कानूनी अनुमति के साझा और वितरित की जा रही थीं। मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना में संयुक्त सचिव सी. सेंथिल राजन ने कहा कि ये सामग्री कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए मंच पर डाली और प्रसारित की जा रही थीं।

रोमानिया ने उसके सैन्य अड्डों के इस्तेमाल करने का अमेरिका का अनुरोध स्वीकारा

बुखारेस्ट/एपी। रोमानिया के शीर्ष रक्षा निकाय ने बुधवार को अमेरिका के उस अनुरोध को मंजूरी दे दी, जिसमें ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान में मदद के लिए इस नाटो देश के सैन्य अड्डों में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने और उनका उपयोग करने की बात कही गई थी। राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने रक्षा पर राष्ट्रीय सर्वोच्च परिषद की बैठक के बाद यह जानकारी दी। बैठक का आयोजन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए किया गया था। इस समझौते के तहत विमानों में ईंधन भरने और उपग्रह संचार एवं निगरानी उपकरणों के लिए सैनिकों की अस्थायी तैनाती की अनुमति होगी।

देश के विकास से अनजान हैं कांग्रेस 'युवराज' राहुल : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

कोच्चि/भाषा। कांग्रेस और इसके शीर्ष नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विपक्षी दल पर पश्चिम एशिया संकट पर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता विपक्ष देश के विकास से अनभिज्ञ हैं।

केरल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने सत्ताधारी वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) पर भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्य को अपनी प्रगति के लिए एलडीएफ और कांग्रेस-नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकारों के बीच बारी-बारी के शासन के चलन को समाप्त करना चाहिए और आगामी चुनावों में भाजपा की जीत के प्रति आशा जतायी। उन्होंने कहा कि सभी प्रयास उन भारतीयों के कल्याण के लिए किए जा रहे थे जो युद्ध-ग्रस्त पश्चिम एशिया में फंसे हुए हैं, और उन्होंने लोगों से कांग्रेस और वामपंथियों द्वारा फैलायी जा रही अफवाहों में न आने की अपील की। मोदी ने सबरिमला सोने की हेराफेरी के मामले को उठाकर सत्ताधारी माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ पर हमला किया और उन्हें भ्रष्टाचार, सांप्रदायिक राजनीति एवं राज्य में विकास तथा उद्योग को रोकने के अपराध में साथी करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया, वे सबरिमला मंदिर की लूट में साझेदार हैं। एलडीएफ नेताओं पर मंदिर से सोने की हेराफेरी करने का आरोप है, वहीं यूडीएफ पर लूटे गए सोने को बेचने का आरोप है। हालांकि, प्रधानमंत्री ने इस बारे में विस्तार से बात नहीं की।

मोदी ने अपनी सरकार के निर्णय का उल्लेख किया कि केरल का नाम बदलकर 'केरलम' किया गया और राज्य के लोगों से कहा कि वे अगले पांच वर्षों के लिए भाजपा-नेतृत्व वाले गठबंधन को सेवा का मौका दें, क्योंकि इसमें मोदी की गारंटी है।

ऊर्जा संकट : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,

घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोगों से अपील की कि वे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रसाई गैस आपूर्ति में आई बाधा के मद्देनजर अफवाहों पर ध्यान न दें और आग्रह किया कि केवल सत्यापित जानकारी ही प्रसारित की जाए।

मोदी ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तमिलनाडु में द्रमुक शासन की भी आलोचना की और कहा कि लोग ऐसी सरकार चाहते हैं जो हर परिवार के लिए काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए। उन्होंने कहा, मैं लोगों से अपील करना चाहूंगा कि हम केवल सही और सत्यापित जानकारी ही फैलाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, ''घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हमने देखा है कि हमारी सरकार हमेशा भारत के हितों को सर्वोपरि रखती है।''

छत्तीसगढ़ में 108 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

जगदलपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के सामने 3.95 करोड़ रुपए के इनाम वाले 108 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि माओवादियों की 'दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी)' के कैडरों ने जिला मुख्यालय जगदलपुर में आत्मसमर्पण किया। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादियों) के डीकेएसजेडसी समूह ने पहले बस्तर में कई जानलेवा हमले किए हैं। सुंदरराज ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी कैडरों से प्राप्त सूचना तथा अन्य सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने कार्रवाई करते हुए एके-47, इंसास, एलएमजी, बीजीएल सहित कुल 101 घातक हथियारों की बरामदगी विभिन्न 'डम्पों' से की, जो नक्सल विरोधी अभियानों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के इतिहास में एक ही स्थल से सर्वाधिक 3.61 करोड़ रुपए नगद तथा 1.64 करोड़ रुपए मूल्य का एक किलोग्राम सोना माओवादियों के 'डम्प' से बरामद किया गया है।

कुम्भ मेले की वजह से वायरल हुई

मोनालिसा भोंसले ने अपने प्रेमी के साथ विवाह किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगे कुम्भ मेले से दुनियाभर में वायरल हुई मोनालिसा भोंसले ने अपने मुस्लिम प्रेमी के साथ पास के पुवर स्थित मंदिर में शादी कर ली। शादी से कुछ घंटे पहले मोनालिसा ने पुलिस से सुरक्षा मांगी थी, ताकि परिवार के दबाव से बचा जा सके।

इंदौर की रहने वाली यह लड़की अपनी मोहक मुस्कान और सुंदर आंखों के कारण प्रसिद्ध हुई थी, जब पिछले साल एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने कुम्भ मेले में रुद्राक्ष की माला बेचने का उसका वीडियो साझा किया था।

शादी समारोह नैनार मंदिर में संपन्न हुआ, जिसमें केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी, सत्ताधारी माकपा के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन एवं राज्यसभा सांसद ए ए रहीम और पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रही।

दुल्हन ने लाल साड़ी पहनी थी, और सिंदूर लगा रखा था, जबकि दूल्हे ने सफेद शर्ट और मुंडू (धोती) पहनना था। लड़का महाराष्ट्र में अभिनेता के तौर पर काम करता है। दंपति ने बाद में कहा कि उन्हें केरल बहुत पसंद है और उन्हें यहां शादी करके खुशी हुई।

राहुल गांधी को सदन में नियमानुसार बोलना नहीं आता : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आचरण और सदन की कार्यवाही में उनकी भागीदारी पर तीखी टिप्पणियां करते हुए बुधवार को विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि उन्हें निचले सदन में बोलने नहीं दिया जाता।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए संकल्प पर चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने यह भी कहा, ''आप प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रस्ताव लाइए। हम मुद्दों पर जवाब देंगे। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव को मैं सामान्य बात नहीं मानता।''

शाह के भाषण के बाद, सदन ने ध्वनिमत से विपक्ष के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ''विपक्ष के नेता का यह आरोप सही नहीं है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। नेता प्रतिपक्ष की पार्टी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ

प्रस्ताव लाई, उस पर भी वह नहीं बोले। वह बोलना ही नहीं चाहते। बोलना चाहते हैं तो नियमानुसार बोलना नहीं आता। यह कोई सभा (रैली) नहीं है, यहां नियमानुसार बोलना होता है।''

गृह मंत्री ने बिरला के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि यह बहुत अफसोसजनक घटनाक्रम है। उन्होंने कहा, ''जब सदन के मुखिया की निष्ठा पर सवाल उठाया जाता है तो दुनिया में भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की साख पर सवाल खड़े हो जाते हैं।''

शाह ने कहा कि बजट सत्र के पहले चरण में लोकसभा अध्यक्ष के चैम्बर में ऐसा माहौल खड़ा किया गया कि अध्यक्ष की सुरक्षा की चिंता पैदा हो गई थी।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए लाए गए प्रस्ताव को बुधवार को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद द्वारा पेश किए गए संकल्प पर 12 घंटे से अधिक समय की चर्चा और गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के बाद, पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने इसे मतदान के लिए सदन के समक्ष रखा। सदन ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, ध्वनिमत से संकल्प को अस्वीकृत कर दिया। संकल्प पर चर्चा और मतदान के दौरान बिरला सदन में उपस्थित नहीं थे। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ संकल्प लाने को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने बिरला की निष्ठा पर सवाल खड़े किए हैं, जो बहुत अफसोसजनक है।

विपक्ष के नेता को सदन में बोलने नहीं दिया गया : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि सदन में उन्हें बोलने से कई बार रोका गया है और देश के इतिहास में पहली बार विपक्ष के नेता को सदन में बोलने नहीं दिया गया।

सदन में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए रविशंकर प्रसाद ने संसदीय प्रणाली पर 'कॉल एंड शकधर' की एक किताब को उद्धृत करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को राष्ट्रहित के मुद्दों पर बोलते समय ध्यानपूर्वक शब्दों का चयन करना चाहिए और विदेशी धरती पर दलीय राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को यह किताब पढ़ लेनी चाहिए।

इस पर कांग्रेस के सदस्यों ने हंगामा किया और आसन के समीप आ गए। वह नेता प्रतिपक्ष को बोलने की अनुमति देने की मांग कर रहे थे।

आसन से अनुमति मिलने पर राहुल गांधी ने कहा, ''कई बार मुझे (यहां) बोलने से रोका गया है। भारत के इतिहास में पहली बार नेता विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया गया।'' उन्होंने यह भी कहा, ''यह सदन देश की जनता की अभिव्यक्ति के लिए है। यह एक पार्टी का नहीं है, यह पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। हम जब भी बोलने के लिए खड़े होते हैं तो हमें रोका जाता है।''

गौरतलब है कि राहुल गांधी को बजट सत्र के पिछले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए एक पूर्व सेना प्रमुख के संस्मरण को उद्धृत करने की अनुमति नहीं दी गई थी और बार-बार इस विषय को उठाने पर उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई।

राहुल गांधी ने आज यह भी कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री ने समझौता कर लिया है। सब यह जानते हैं।''

11-03-2026 सूर्यास्त 6:29 बजे	12-03-2026 सूर्योदय 6:28 बजे

BSE	NSE
76,863.71 (-1,342.27)	23,866.85 (-394.75)

सोना	चांदी
16,754 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	275,218 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

माब लिंचिग

जब मार रही हो भीड़ किसे,
तब चलता है किसका दिमाग।
किसके हाथों में चिन्गारी,
फैलाता जिससे घृणित आग।
यह जहर सभी में भरा हुआ,
हम सभी विषैले बने नाग।
यह दमित विचारों की परिणति,
सबके दामन पर लगा दाग।।

'हमें जल संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ जल जीवन मिशन की शुरुआत के बाद ग्रामीण नल कनेक्शन 17 से बढ़कर 82 फीसदी हुए : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि जल जीवन मिशन की शुरुआत के समय 2019 में जहां केवल 17 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के पास नल से जल कनेक्शन थे, वहीं अब यह बढ़कर 82 प्रतिशत हो गए हैं।

जल महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में जल केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं है, बल्कि यह देश की संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और सामुदायिक जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा, यह अत्यंत संतोष की बात है कि वर्तमान में लगभग 82 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सुविधा प्राप्त है, जबकि 2019 में जब जल जीवन मिशन शुरू किया गया था तब यह आंकड़ा केवल 17 प्रतिशत था। इस असाधारण सफलता के लिए मैं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल और उनकी पूरी टीम को बधाई देती हूं।

राष्ट्रपति ने कहा, जल जीवन का आधार है। हमारी परंपराओं में जल को अनेक रोगों के उपचार के रूप में भी पूजनीय माना गया है। हमारे राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' जिसकी रचना की 150वीं वर्षगांठ हम मना रहे हैं का पहला शब्द 'सुजलाम्' है, जिसका अर्थ है 'उत्तम जल संसाधनों से समृद्ध'। इस प्रकार भारत में जल केवल एक मूलभूत सुविधा नहीं रहा है; यह हमारी संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और सामुदायिक जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है।

मुर्मू ने रेखांकित किया कि पहले ग्रामीण परिवारों को पीने के पानी तक पहुंच के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता था और महिलाओं व बच्चों को अक्सर इसे लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि आज स्वच्छ और सुरक्षित जल घरों तक पहुंच रहा है, जो जल जीवन मिशन की सफलता को दर्शाता है।

ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों, दुबई हवाई अड्डे और तेल सुविधाओं को बनाया निशाना

■ ईरान के इन हमलों का उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था को इतना नुकसान पहुंचाना है, जिससे अमेरिका और इजराइल पर अपनी सैन्य कार्रवाई को बंद करने का दबाव पड़े।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट बढ़ने और अमेरिकी व इजराइली हवाई हमलों के बीच तेल-समृद्ध क्षेत्र पर दबाव बनाने के अपने अभियान को तेज करते हुए फारस की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया व दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया।

ईरान के दो ड्रोन दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास गिरे।

दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लंबी दूरी की उड़ान भरने वाली विमानन कंपनी अमीरात का मुख्यालय है और अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए दुनिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। दुबई मीडिया कार्यालय के अनुसार, इस हमले में चार लोग घायल हुए हालांकि उड़ान परिचालन जारी रहा।

ईरान के संयुक्त सैन्य कमान ने पश्चिम एशिया में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निशाना बनाने की कवायद शुरू करने की घोषणा की।

बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी जहाज नष्ट किए : अमेरिकी सेना

दुबई/एपी। अमेरिका ने कहा है कि उसने बारूदी सुरंग बिछाने वाले ईरान के 16 जहाज नष्ट किए हैं वहीं ईरान ने क्षेत्र के तेल निर्यात को रोकने का प्रण करते हुए कहा कि वह अपने दुश्मनों को ''एक लीटर'' भी तेल भेजने की अनुमति नहीं देगा। युद्ध का होर्मुज जलडमरूमध्य पर पड़ने वाले असर को लेकर बढ़ती चिंता के बीच अमेरिकी सेना ने बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी जहाजों को नष्ट करने का दावा करते हुए कुछ वीडियो भी जारी किए। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान द्वारा विस्फोटक लगाए जाने की कोई सूचना नहीं है। इसी जलमार्ग के जरिए दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की ढुलाई होती है।

ऊर्जा मार्गों में व्यवधान के लिए ईरान ने अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बीच, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से कच्चे तेल और गैस की ढुलाई में आई बाधाओं के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान ने कहा कि समस्या का मूल कारण वाशिंगटन की ''अस्थिरता पैदा करने वाली कार्रवाइयां'' हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के बीच मंगलवार रात फोन पर हुई वार्ता का विवरण प्रदान करते हुए यह बात कही। इसमें कहा गया है कि अराघची ने जयशंकर को पिछले 11 दिनों में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए ''अपराधों'' का विस्तृत विवरण प्रदान किया।

शीतलाष्टमी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के आस्टिन टाउन की राजस्थानी महिलाओं ने बुधवार को शीतलाष्टमी के मौके पर माता शीतला की पूजा की और माता को ठंडे पकवान का भोग लगाया। पारम्परिक वेशभूषा पहनी हुई महिलाओं ने मंदिर में पूजा की और परिवार परिवार की सुख समृद्धि की कामना की।

न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 32 वर्षीय व्यक्ति को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव युथनेसिया) की पहली बार स्वीकृति देते हुए 32 वर्षीय उस व्यक्ति की कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की बुधवार को अनुमति दे दी जो 12 साल से अधिक समय से कोमा में है।

निष्क्रिय इच्छामृत्यु का अर्थ है कि नाजुक स्थिति वाले किसी मरीज को जीवित रखने वाली चिकित्सा सहायता को रोकने या जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने की अनुमति देना ताकि उसकी स्वाभाविक रूप से मौत हो सके।

इस फैसले के साथ ही न्यायालय ने केंद्र सरकार से निष्क्रिय इच्छामृत्यु पर एक व्यापक कानून बनाने पर विचार करने का आग्रह किया ताकि इससे ''उन मामलों में स्पष्टता मिलेगी जो बेहद व्यावहारिक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हैं।''

न्यायालय ने कहा कि कानून के अभाव के कारण, उसे हस्तक्षेप करने और दिशानिर्देश देने के लिए विवश होना पड़ा क्योंकि यह संस्थागत वरीयता का मामला नहीं बल्कि संवैधानिक आवश्यकता का मामला है, ताकि मौलिक अधिकारों की शुचिता, विशेष रूप से गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार की रक्षा की जा सके। गाजियाबाद निवासी हरीश राणा 2013 में एक

इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के कारण सिर में चोट लगने से घायल हो गया था और वह एक दशक से अधिक समय से कोमा में है। वह पंजाब विश्वविद्यालय का छात्र था।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे।

निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला यह आदेश 2023 में संशोधित किए गए 2018 के उस फैसले के अनुरूप है जिसमें गरिमा के साथ मृत्यु के मौलिक अधिकार को मान्यता दी गई थी।

उच्चतम न्यायालय ने इससे पहले 32 वर्षीय व्यक्ति के माता-पिता से मिलने की इच्छा जताई थी। उसने दिल्ली एम्स के चिकित्सकों के द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड द्वारा दाखिल की गई राणा की चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट का अवलोकन किया था और कहा था कि यह रिपोर्ट ''दुखद'' है।

प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड ने मरीज की स्थिति की जांच करने के बाद कहा था कि उसके ठीक होने की संभावना नगण्य है।

उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल 11 दिसंबर को कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यह व्यक्ति ''बेहद दयनीय स्थिति'' में है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा 2023 में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, कोमा की स्थिति वाले मरीज की कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने को लेकर विशेषज्ञों की राय लेने के लिए एक प्राथमिक और एक द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड का गठन करना अनिवार्य है।

मुमुक्षु संजय पुगलिया की बेंगलूरु में जैन भागवती दीक्षा 29 अप्रैल को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मद्दूर। जयगच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचन्द्रजी, डॉ. श्री पदमचन्द्रजी के सान्निध्य में मद्दूर में मदनराज संपतराज देसरला के निवास पर धार्मिक आयोजनों का त्रिवेणी संगम हुआ। मुमुक्षु संजय कुमार पुगलिया के वैराग्य भाव की सुदृढता को देखकर वीर पिता प्रकाशचन्द-सुभद्रादेवी पुगलिया सहित अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण गोटावत, रेवन्तमल नाहर, मीठालाल मकाना, मोहनलाल कांकरिया आदि सदस्यों ने आचार्यश्री के समक्ष जैन भागवती दीक्षा हेतु आज्ञापत्र प्रदान किया। इस मौके पर आचार्यश्री पार्श्वचन्द्र जी ने 29 अप्रैल को बेंगलूरु में दीक्षा महोत्सव करवाने की घोषणा

की। बुधवार को इस अवसर्पिणी काल के प्रथम आदि तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक भी मनाया गया। ङ्कप्रवचन श्रृंखला में डॉ. मुनिश्री पद्मचन्द्र जी ने कहा कि जीवन अत्यन्त क्षणभंगुर है। वर्तमान की स्थिति ऐसी है साधक को त्याग और वैराग्य की ओर ले जाता है। मुनिश्री ने बताया कि आत्मा के साथ लगे निकाचित कर्मों को कम करने का एक मात्र उपाय है तपस्या। कार्यक्रम के दौरान जयधुरन्धर मुनि जी ने कहा कि जिस प्रकार महाभारत युद्ध के पूरे दृश्य को संजय ने धृतराष्ट्र को कह सुनाया, वैसे ही संजय पुगलिया ने संसार स्वरूप को भली भांति देखकर उसे त्याग करने का प्रबल पुरुषार्थ किया।

जयकलश मुनि जी ने गीतिका प्रस्तुति व जयपुरन्दर मुनि जी ने कल्याणक का अर्थ बताते हुए कहा कि जिससे आत्मा को आनन्द की अनुभूति हो, ऐसे अवसर कल्याणक कहलाते हैं। इसी श्रृंखला में जयसुबोध मुनि जी ने संयम का महत्व समझाया और दुर्लभ मनुष्य जन्म को सार्थक करने की प्रेरणा दी। ङ्कङ्कङ्ककार्यक्रम में आचार्यश्री ने सभी तपस्वियों को वर्षभर के लिए एकान्तर वर्षीतप करने का संकल्प करवाया। कार्यक्रम के दौरान मद्दूर संघ द्वारा वीर परिवार का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

शीतला माता — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शीतला माता : मैसूरु के बन्नूर कस्बा में राजस्थानी महिलाओं ने बुधवार को शीतला माता मंदिर में माता की विधिवत पूजा अर्चना कर ठंडे पकवानों का भोग चढाकर मंगल कामनाएं की। इस मौके पर क्षेत्र की अनेक राजस्थानी महिलाएं उपस्थित थीं।

धर्म से व्यक्ति सफलता को प्राप्त करता है : मुनिश्री पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की सिंधी कॉलोनी में स्थित प्रकाश निवास पर विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी ने अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि धर्म करने वाला व्यक्ति जीवन में सुखी होता है, धर्म से व्यक्ति सफलता को प्राप्त करता है। धर्म करने के लिए व्यक्ति को सदा प्रयत्न करते रहना चाहिए। मुनिश्री ने क्षेत्र में हर माह में एक बार भिक्षु स्वामी की तेरस के दिन सामूहिक रूप से मिलकर धम्म जागरण व सामायिक करने की सलाह दी ताकि सभी निवासियों का आपसी मेलजोल बढ़ता रहे और धर्म संघ की भी प्रभावना होती रहे। मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने युवा समाज को विशेष प्रेरणा प्रदान की। नवनीत मुथा व सुशील बाफना ने मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

राहुल के 'गोमूत्र' संबंधी बयान पर भाजपा का हमला, कहा-दोहरा रहे हैं इस्लामिक कट्टरपंथियों की भाषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक कार्यक्रम में गोमूत्र संबंधी हालिया बयान को लेकर उनपर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आरोप लगाया कि वह (गांधी) इस्लामिक कट्टरपंथियों की भाषा दोहरा रहे हैं, जो हिंदू आस्था का मजाक उड़ाने के लिए 'गोमूत्र' को लेकर तंज कसते हैं।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में राहुल गांधी की आलोचना करते हुए उनका एक वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में नेता प्रतिपक्ष यह कहते नजर आ रहे हैं कि देश में राजनीतिक चर्चा का केंद्र डेटा से जुड़े मुद्दे होने चाहिए, न कि इस बात पर बहस कि हमें क्या खाना या पीना चाहिए या क्या गोमूत्र आपके लिए अच्छा है या नहीं। मालवीय ने अपने पोस्ट में लिखा, इस्लामिक कट्टरपंथी अक्सर हिंदुओं का मजाक बनाने और उनकी आस्था को नीचा दिखाने के लिए 'गोमूत्र' को लेकर तंज कसते हैं। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष से उम्मीद नहीं की जाती कि वह भी उसी तरह की भाषा दोहरायें, फिर भी, राहुल गांधी ऐसा करने में कोई संदेह नहीं छोड़ रहे हैं कि वह किस पक्ष में हैं। उन्होंने आगे कहा, ''सबसे दुखद बात यह है कि इस तरह की बयानबाजी को 'सीधी बात' के रूप में पेश किया जाता है और उससे भी आगे बढ़कर उसे वैचारिक बौद्धिकता का रूप दे दिया जाता है।'' राहुल गांधी वीडियो में डेटा और नवाचार की भूमिका पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहते हैं कि भारत की राजनीति को इसी तरह के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। गांधी यह कहते सुनाई देते हैं, ''यह उन केंद्रीय सवालों में से एक है जिस पर भारतीय राजनीति में चर्चा की जानी चाहिए... कि यह हमारा सबसे बड़ा संसाधन है। हम इसे कैसे उपयोग करेंगे?

गुजरात के सूरत में तीन औद्योगिक इकाइयों में आग लगी, कोई हताहत नहीं

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत में बुधवार दोपहर एक सॉल्वेंट रसायन निर्माण कंपनी में आग लग गई और यह तेजी से आसपास की दो औद्योगिक इकाइयों में फैल गई। दमकल विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुजरात शहर के एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कंपनी में अपराह्न लगभग एक बजे आग लगी और इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रकाश हेडाऊ ने बताया कि सचिन औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एथर इंडस्ट्रीज लिमिटेड और आसपास की दो कंपनियों में लगी आग को बुझाने के लिए दमकलकर्मियों ने दो घंटे से अधिक समय तक मशक्कत की। उन्होंने बताया कि सचिन जीआईडीसी समेत कई दमकल स्टेशनों से कुल 16 दमकल गाड़ियां आग पर काबू पाने के लिए भेजी गईं।

कांग्रेस के शासनकाल में हरियाणा में किसानों का शोषण होता था : भाजपा सांसद

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सदस्य ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में हरियाणा में किसानों का शोषण होता था और औने-पौने दाम पर उनसे जमीन लेकर करोड़ों रुपए का लाभ कमाया जाता था। भाजपा सदस्य रामचंद्र जांगड़ा ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुई चर्चा में भाग ले रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के सरकार में आने के पहले हरियाणा में किसानों का शोषण हो रहा था। उन्होंने एक कंपनी का नाम लेते हुए कहा कि उसकी पूंजी 90 लाख रुपए थी और उसने साढ़े सात करोड़ रुपए की जमीन खरीद थी और एक महीने में वह कंपनी 58 करोड़ रुपए की कंपनी बन गई। उनकी इस टिप्पणी के दौरान कांग्रेस सदस्य जयराम रमेश ने टोका-टोकी की। भाजपा सदस्य ने कहा कि एक समय ग्रामीण क्षेत्रों में खाने बनाने के लिए जलावन एकत्र करना बड़ी समस्या थी और सूखी लकड़िया लाने में तमाम तरह की परेशानी होती थी।

कच्चे तेल के दाम में तेजी से शेयर बाजार फिसला, सेंसेक्स 1,342 अंक टूटा

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,342 अंक का गोता लगा गया जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के नीचे आ गया। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल के दाम में तेजी से शेयर बाजार में एक दिन की बढ़त के बाद गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली दबाव से भी बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,342.27 अंक यानी 1.72 प्रतिशत लुढ़क कर 76,863.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 1,446.72 अंक तक की गिरावट आई थी। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 394.75 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,866.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ सन फार्मा और एनटीपीसी के शेयरों में तेजी रही।

सरकार ने बिरला के हाथ बांध दिए हैं : वेणुगोपाल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल ने बुधवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अध्यक्ष ओम बिरला के हाथ ''बांध'' दिए हैं, जिससे उन्हें सत्तारूढ़ दल की इच्छा के अनुसार काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

बिरला को अध्यक्ष पद से हटाने के संकल्प पर चर्चा में भाग लेते हुए वेणुगोपाल ने महिला सांसदों के खिलाफ आरोप लगाने के लिए उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बिरला ने दावा किया कि उनके पास इसकी पुख्ता जानकारी थी कि कांग्रेस की महिला सांसद सदन में प्रधानमंत्री की सीट तक पहुंचकर कुछ अप्रत्याशित घटना को अंजाम दे सकती हैं। वेणुगोपाल ने कहा, ''यह बहुत ही अपमानजनक और सबसे गैर-जिम्मेदाराना बयान था।'' वेणुगोपाल की इस टिप्पणी पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने तीखा विरोध दर्ज कराया। रीजीजू ने कहा कि बजट सत्र के पिछले चरण में लगभग कांग्रेस के 25 से 30 सांसद अध्यक्ष के कक्ष में गए और उन्होंने जो व्यवहार किया, वैसा व्यवहार कभी देखा नहीं गया। मंत्री ने कहा, ''अगर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जारी कर दी जाए, तो पूरी दुनिया आपके सांसदों के व्यवहार पर शर्मिंदा होगी।'' वेणुगोपाल ने कहा, ''लोकसभा अध्यक्ष सदन के प्रत्येक सदस्य का संरक्षक होता है और यदि वह सत्तारूढ़ दल के मुखिया के रूप में कार्य करता है, तो यह गंभीर चिंता पैदा करता है।''

पश्चिम एशिया की स्थिति और रसोई गैस संकट पर संसद में चर्चा हो, प्रधानमंत्री जवाब दें : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध और देश में रसोई गैस के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है।

खरगे ने पोस्ट किया, ''मोदी सरकार के नकली सूत्र आधारित आश्वासन उसकी पूर्ण अक्षमता को उजागर करते हैं। पश्चिम एशिया में आसन्न युद्ध के बारे में पूर्वानुमान था। फिर भी सरकार ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कुछ नहीं किया। अब संकट गहराता जा रहा है और आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।'' उन्होंने दावा किया कि ईंधन की कमी से कृषि और उर्वरक आपूर्ति प्रभावित होने से सबसे पहले किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, रसोई गैस सिलेंडर का सीमित वितरण, गैस भरवाने के लिए लंबी कतारें, वाणिज्यिक सिलेंडर की भारी कमी और घरेलू सिलेंडर के लिए 25 दिन तक की प्रतीक्षा की स्थिति पैदा हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि रेस्तरां और छोटे भोजनालय बंद हो रहे हैं तथा जमाखोरी और कालाबाजारी फैल रही है। उनका कहना है, ''नोटबंदी के समय हमें बताया गया कि 50 दिनों में नकदी की कमी खत्म हो जाएगी... कोविड महामारी के समय हमें बताया गया कि यह कोई गंभीर आपात स्थिति नहीं है, जबकि देश ने गंगा में शव और विनाशकारी कुप्रबंधन देखा। पश्चिम एशिया युद्ध के समय अब हमें बताया गया है कि भारत के पास 74 दिनों का तेल और ऊर्जा भंडार है।

अनधिकृत विदेशी क्रिप्टो मंचों पर निगरानी के लिए भारत बना रहा 'वर्चुअल एसेट लैब': एफएटीएफ रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत गैर-पंजीकृत और जोखिम से भरे विदेशी क्रिप्टो मंचों की पहचान के लिए एक स्वदेशी 'वर्चुअल एसेट लैब' बनाने पर काम कर रहा है। वैश्विक निगरानी संस्था एफएटीएफ की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार की 'वित्तीय आसूचना इकाई- इंडिया' (एफआईयू-इंडिया) ने गृह मंत्रालय के साथ मिलकर सोशल मीडिया मंच, वेब होस्ट और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को अनधिकृत विदेशी क्रिप्टो मंचों से जुड़ी ऑनलाइन सामग्री हटाने के निर्देश दिए हैं। अभी तक इस तरह के 85 यूआरएल हटाए जा चुके हैं। इन अनधिकृत विदेशी मंचों का इस्तेमाल धनशोधन जैसे अवैध कामों के लिए होने की आशंका रहती है। एफएटीएफ ने कहा, ''भारत बिना पंजीकरण वाले विदेशी वर्चुअल एसेट सेवा प्रदाताओं (ओवीएएसपी) की पहचान करने के लिए स्वदेशी तकनीकी क्षमता बढ़ा रहा है। इसी उद्देश्य से 'वर्चुअल एसेट लैब' स्थापित करने की दिशा में काम चल रहा है।'' यह लैब डेटा विश्लेषण और इंटरनेट निगरानी के जरिये ऐसे अनधिकृत क्रिप्टो मंचों का पता लगाने में मदद करेगी।

शिवसेना (उबाठा) नेताओं ने सत्ता के लिए और मोदी विरोध में बालासाहेब को छोड़ दिया : निशिकांत दुबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को शिवसेना (उबाठा) नेताओं पर आरोप लगाया कि वे सत्ता की चाह में और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करने के लिए हिंदुत्व की विचारधारा और बालासाहेब ठाकरे की विरासत को छोड़ रहे हैं।

दुबे ने कहा कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही शिवसेना संस्थापक की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा सांसद ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''सिर्फ सत्ता पाने और सिर्फ मोदी जी का विरोध करने के लिए, वे विचारधारा को छोड़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''शिवसेना की असली ताकत क्या है। उद्धव ठाकरे के पास है या एकनाथ शिंदे के पास? बालासाहेब ठाकरे दोनों की ताकत हैं। लेकिन एकनाथ शिंदे ही बालासाहेब ठाकरे की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। वह बालासाहेब के नक्शेकदम पर चल रहे हैं, हिंदुत्व का झंडा उठा रहे हैं और भाजपा नीत सरकार का हिस्सा हैं।''

दुबे ने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस से गठबंधन किया, जिसे बालासाहेब ने कभी मंजूरी नहीं

दी थी। उन्होंने दावा किया कि उद्धव ठाकरे को सलाह देने वाले संजय राउत और अरविंद सावंत हैं, जिनका हिंदुत्व से कोई लेना-देना नहीं है। बालासाहेब ठाकरे के बंदूक लाइसेंस को रद्द किए जाने के बारे में सावंत द्वारा लोकसभा में उठाए गए सवाल का ज़िक्र करते हुए, दुबे ने कहा कि शिवसेना (उबाठा) नेता ने ''इतिहास'' या ''भूगोल'' की सही जानकारी के बिना यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा, ''कल मैंने संसद में कहा था कि शिवसेना के अरविंद सावंत को इतिहास या भूगोल का कोई ज्ञान नहीं है। 1969 में, बालासाहेब ठाकरे की पत्नी मीनाताई ठाकरे पर गोलियां चलाई गईं थीं, जिन्हें देवी की तरह पूजा जाता है।'' दुबे ने कहा कि यह घटना तब हुई जब ठाकरे किसी निर्वाचित पद पर नहीं थे और शिवसेना अभी तक एक बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं बनी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटनाक्रम शिवसेना संस्थापक के खिलाफ कांग्रेस की राजनीतिक साजिश का हिस्सा था। उन्होंने कहा, ''संसद में यह सवाल उठाया गया था कि उनका रिवॉल्वर लाइसेंस कैसे रद्द किया गया। उस समय वह (बालासाहेब ठाकरे) न तो सांसद थे और न ही विधायक, और शिवसेना भी कोई बहुत बड़ी पार्टी नहीं थी।'' दुबे ने कहा, ''बाद में, जब उन्हें 1976-77 के आसपास पूरी साजिश के बारे में पता चला और उन्हें एहसास हुआ कि कांग्रेस ने उन्हें निशाना बनाया है, तो बालासाहेब ने एक बहुत दमदार भाषण दिया था और कहा कि वह समझौता करने और इंदिरा गांधी या कांग्रेस का सहयोगी बनने के बजाय मरना पसंद करेंगे।''

इस साल कर्नाटक का आईटी निर्यात 5.50 लाख करोड़ रुपए पार करेगा : प्रियांक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंत्री प्रियांक खरगे ने बुधवार को बेंगलूरु स्थित विधान सौधा में विधानसभा सत्र के दौरान अपना वक्तव्य दिया।

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य का आईटी निर्यात इस वर्ष 5.50 लाख करोड़ रुपये को पार कर सकता है। भाजपा विधायक वेदव्यास कामत के सवाल का जवाब देते हुए प्रियांक खरगे ने कहा, कर्नाटक में आईटी-बीटी की संभावनाओं की बात करें तो 2022-23 में हमारा आईटी-बीटी निर्यात 3.55 लाख करोड़ रुपये था। 2023-24 में यह बढ़कर 4.09 लाख करोड़ रुपये हो गया और पिछले वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 4.58 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस वर्ष 31 मार्च को समापन तिथि है। मुझे शत प्रतिशत भरोसा है कि इस साल हम 5.50 लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएंगे। उन्होंने कहा, इस 5.50 लाख करोड़ रुपये में से मैसूरू शहर से लगभग 3,000 करोड़ रुपये का आईटी निर्यात होता है, जबकि मंगलूरु और तटीय क्षेत्र से लगभग 3,500 करोड़ रुपये का योगदान है। बेलगावी और हुब्बल्ली मिलकर 2,000 करोड़ से 2,500 करोड़ रुपये के बीच आईटी निर्यात करते हैं। बाकी हिस्सा बेंगलूरु शहर से आता है।

खरगे ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि मंगलूरु में संभावनाएं नहीं हैं। उन्होंने कहा, इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। अगर स्थानीय नेता अनुकूल माहौल बनाते हैं तो हम स्थानीय अर्थव्यवस्था को तेज कर सकते हैं। मैं विधायक के ध्यान में लाना चाहता हूं कि बेंगलूरु जिले का जीडीपी लगभग 39.9 प्रतिशत, यानी करीब 40 प्रतिशत है। इसके बाद मैंगलुरु 5.4 प्रतिशत के साथ है और तीसरा 3.4 प्रतिशत है। अंतर साफ देखा जा सकता है।

खरगे ने कहा, राज्यभर में हमने आईटी और संबंधित कंपनियों के साथ 380 एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। तटीय क्षेत्र में हम मणिपाल, उडुप्पी और मंगलूरु को एक क्लस्टर के रूप में लेकर उन्हें इकोनॉमिक एक्सेलेरेटर प्रोग्राम के तहत ला रहे हैं। हमारी ओर से एक टेक्नोलॉजी कन्वेंशन आयोजित किया जा रहा है और बियॉन्ड बेंगलूरु क्लस्टर पहल के तहत 25 करोड़ रुपये का सीड फंड जारी किया गया है। कर्नाटक एक्सेलेरेशन प्रोग्राम के तहत शाइन प्रोग्राम के माध्यम से गठजोड़ बनाए गए हैं और स्टार्टअप्स को सहायता दी जा रही है। भाजपा के कामत ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद तटीय क्षेत्र विकास के मामले में बेंगलूरु के बाद दूसरे स्थान पर है। उन्होंने मंत्री से कम जीडीपी वाले जिलों जैसे कलबुर्गी के लिए योजनाओं को स्पष्ट करने को कहा। बता दें कि प्रियांक खरगे स्वयं कलबुर्गी से आते हैं, जिसे राज्य के सबसे पिछड़े जिलों में से एक माना जाता है।

जवाब में खरगे ने कहा कि विकास भौगोलिक और जनसांख्यिकीय लाभों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, तटीय कर्नाटक को जो लाभ उपलब्ध हैं, वे कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में नहीं हैं। जो फायदे हमारे पास हैं, वे आपके पास नहीं हैं। आपके पास समुद्र है, जिससे समुद्री खेती की संभावना है, जबकि हम तूर दाल उगाते हैं। जीडीपी योगदान के मामले में कलाबुरगी 1.9 प्रतिशत का योगदान देता है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि बेंगलूरु ग्रामीण भी जीडीपी में 1.9 प्रतिशत का योगदान देता है। हम इन क्षेत्रों में विकास तेज करने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं। राज्य विकास को केवल मंगलूरु या बेंगलूरु तक सीमित नहीं रख रहा है। जहां भी राज्य में संभावनाएं हैं, वहां जीडीपी सुधारने के लिए हम हस्तक्षेप कर रहे हैं।

भारतीय खाद्य निगमः कर्नाटक क्षेत्र की राजभाषा गृह पत्रिका 'आहार वार्ता' का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक (क्षेत्र) बीओ महेश्वरप्पा ने निगम की राजभाषा गृह पत्रिका 'आहार वार्ता' के आठवें अंक का विमोचन किया। इस अवसर पर निगम के उप महाप्रबंधक (क्षेत्र) अरविंद शेखर, उप महाप्रबंधक (संचलन) रमेश नायक, उप महाप्रबंधक (वि. एवं ले.) क्षितिज और कर्नाटक क्षेत्र के सभी मंडल प्रबंधक मौजूद थे।

महेश्वरप्पा ने कर्नाटक क्षेत्र के राजभाषा कार्यान्वयन की प्रशंसा करते हुए पत्रिका के संपादक मंडल को बधाई दी एवं संपादक, प्रबंधक (राजभाषा) मनोज कुमार साव के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय को पीएसयू वर्ग ('ग' क्षेत्र) में इंदौर में 'क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। 'क, ख और ग' क्षेत्रों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन और उसके उपयोग में उत्कृष्टता के लिए केंद्र सरकार के कार्यालयों, बैंकों और पीएसयू को मान्यता देने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंदौर में आयोजित मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में बीओ महेश्वरप्पा ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार से क्षेत्रीय राजभाषा द्वितीय पुरस्कार और प्रबंधक (राजभाषा) मनोज कुमार साव ने इंदौर के सांसद (संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति के सदस्य) शंकर लालवानी से प्रमाण-पत्र ग्रहण किया।

इस दौरान मंच पर देवी अहिल्या विवि के कुलपति डॉ. राकेश सिंघई, शिक्षाविद जेएल रेड्डी, शिक्षाविद नर्मदा प्रसाद, भा.प्र.से. सचिव (राजभाषा, गृह मंत्रालय) अंशुली आर्या, भा.प्र.से. संयुक्त सचिव (राजभाषा) डॉ. निधि पांडे मौजूद रहे।

विरोध प्रदर्शन

कर्नाटक राज्य लाइसेंस प्राप्त इलेक्ट्रिकल ठेकेदार संघ के सदस्यों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया।

'रेपका' में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां यलहंका स्थित रेल पहिया कारखाना (रेपका) में 11 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पूरे जोश से मनाया गया। रेपका विमेंस वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष स्मरणिका प्रधान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। प्रधान हिन्दी साहित्यकार, संस्कृत, अंग्रेजी और उड़िया की जानी मानी लेखिका और कवयित्री हैं। अपने संबोधन में उन्होंने सभी क्षेत्रों में महिलाओं को आगे बढ़ने के बहुत ज्यादा संभावनाओं के बारे में बात कही। उन्होंने कहा कि महिलाएं चाहे वे घर को संवारने वाली हों या देश को चलाने वाली हों या अंतरिक्ष के गहराई नापने वाली हों सभी को पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना जरूरी है।

जनरल मैनेजर मनोरंजन प्रधान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने परिवारों और समाज के पीछे ताकत और सपोर्ट के तौर पर महिलाओं के रोल की तारीफ़ की, और उन्हें प्रेरणा का बड़ा स्रोत माना। अतिथि वक्ता केरूप में उपस्थित पीईएस यूनिवर्सिटी में मैनेजमेंट और इकोनॉमिक्स फैकल्टी की डीन डॉ. शैलाश्री हरिदास ने महिलाओं की कई तरह की भूमिकाओं पर रोशनी डाली और बताया कि कैसे महिलाएं जुनून, साफ़ लक्ष्य, कड़ी मेहनत और लगन से खुद को आगे बढ़ा सकती हैं। स्मरणिका प्रधान ने रेपका की महिला कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित किया। इस मौके पर प्रिंसिपल चीफ पर्सनल ऑफिसर शुजा महमूद के साथ अनेक विभागों के प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

तमिलनाडु के युवाओं के लिए नौकरी के अवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया तथा राष्ट्र को समर्पित किया। इसके साथ ही मोदी ने कहा कि इन परियोजनाओं से राज्य के युवाओं के लिए हजारों नौकरियां पैदा होंगी।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान दो 'अमृत भारत' एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखायी। इन ट्रेनों में से एक का परिचालन नागरकोइल और चर्लपल्ली के बीच, जबकि दूसरे का पोत्तनूर (कोयंबटूर) एवं धनबाद के बीच होगा। इसके अलावा उन्होंने दो अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखायी। इन ट्रेनों के परिचालन से तमिलनाडु और अन्य क्षेत्रों, जैसे तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और पूर्वी भारत के बीच रेलवे कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

पेट्रोलियम क्षेत्र में, प्रधानमंत्री ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सिटी गैस वितरण नेटवर्क का नीलगिरि और इरोड जिलों में शिलान्यास किया, जिसमें 3,680 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश है। इस परियोजना से 8.8 लाख से अधिक घरों को पीएनजी कनेक्शन, 200 से अधिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को गैस आपूर्ति और 201 से अधिक सीएनजी स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि ये परियोजनाएं तमिलनाडु के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, यह लगभग 5,600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं से संबंधित है। ये परियोजनाएं बुनियादी ढांचे, स्वच्छ ऊर्जा, पेट्रोलियम-संबंधित विनिर्माण, राजमार्ग, रेलवे और ग्रामीण सड़कों से संबंधित हैं। इन परियोजनाओं से ऊर्जा पहुंच और कनेक्टिविटी बढ़ेंगी तथा तमिलनाडु के युवाओं के लिए हजारों नौकरियां पैदा होंगी।

चंद्रयान-5 में अधिक भारी लैंडर होगा, जिससे मिशन की अवधि लंबी होगी : इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत चंद्रयान-4 के तहत चंद्रमा से नमूने एकत्र करके उन्हें पृथ्वी पर वापस लाने की योजना बना रहा है, जबकि चंद्रयान-5 में लंबी अवधि के मिशन वाला एक भारी लैंडर शामिल होगा। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बुधवार को यह कहा। उन्होंने इसरो के भविष्य के मिशन के बारे में भी बात की, जिनमें शुक्र ग्रह का अध्ययन करने वाला मिशन और मंगल ग्रह पर उतरने वाला मिशन शामिल हैं।

उन्होंने यहां इसरो के अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (स्टार्ट 2026) कार्यक्रम के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह में कहा, हम चंद्रयान कार्यक्रम को आगे बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।

चंद्रयान-4 में हमारी योजना नमूने एकत्र करके उन्हें वापस लाने की है। चंद्रयान-5 में एक भारी लैंडर शामिल होगा जिसका मिशन काल लंबा होगा। उन्होंने याद दिलाया कि चंद्रयान-3 में लैंडर का मिशन काल केवल 14 दिन का था। नारायणन ने कहा, भविष्य के मिशन में हम लगभग 100 दिनों के जीवनकाल की बात कर रहे हैं। रोवर का वजन भी अधिक होगा। चंद्रयान-3 में लगभग 25 किलोग्राम का रोवर था, जबकि भविष्य के मिशन में लगभग 350 किलोग्राम का रोवर होगा।

केंद्र तमिलनाडु के विकास की प्रतिबद्धता के प्रति पूरी तरह से समर्पित : नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु में करीब 5,650 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया तथा कहा कि ये परियोजनायें राज्य के युवाओं के लिए हजारों नौकरियां सृजित करेंगी। परंपरागत कुर्ता और धोती पहने कार्यक्रम में शामिल हुये मोदी ने कहा, तिरुचिरापल्ली के इस अद्भुत शहर में आकर बहुत अच्छा लगा। आज का कार्यक्रम तमिलनाडु के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 5,600 करोड़ रुपये से अधिक की हैं।

उन्होंने कहा, ''ये परियोजनायें अवसंरचना, स्वच्छ ऊर्जा, पेट्रोलियम से संबंधित विनिर्माण, राजमार्ग, रेलवे और ग्रामीण सड़कों से जुड़ी हैं। इससे ऊर्जा पहुंच, और कनेक्टिविटी बढ़ेगी तथा तमिलनाडु के युवाओं के लिए हजारों नौकरियाँ पैदा होंगी।'' प्रधानमंत्री ने इस दौरान दो ''अमृत भारत' एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखायी। इन ट्रेनों में से एक का परिचालन नागरकोइल और चर्लपल्ली के बीच, जबकि दूसरे का पोत्तनूर (कोयंबटूर) एवं धनबाद के बीच होगा। इसके अलावा उन्होंने दो अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखायी। इन ट्रेनों के परिचालन से तमिलनाडु और अन्य क्षेत्रों, जैसे तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और पूर्वी भारत के बीच रेलवे कनेक्टिविटी मजबूत होगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, एल मुरुगन, अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पॉलनीस्वामी, और प्रदेश भाजपा प्रमुख नैनार नागेंद्रन के साथ मोदी ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सिटी गैस वितरण नेटवर्क का शिलान्यास किया, जिसका निर्माण नीलगिरी और इरोड जिलों में 3,680 करोड़ रुपये से अधिक के लागत पर किया जायेगा।

इस परियोजना से 8.8 लाख से अधिक घरों को पीएनजी कनेक्शन मिलेगा, 200 से अधिक व्यावसायिक संस्थानों को गैस मिलेगी और 201 से अधिक सीएनजी स्टेशन स्थापित होंगे। मोदी ने चेन्नई के मनाली में 1,490 करोड़ रुपये की लागत से बने आईओसीएल ल्यूब प्लांट को राष्ट्र को समर्पित किया, जिसकी क्षमता 6.72 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। उन्होंने कहा, यह अपने प्रकार की दुनिया की सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक है। यह संयंत्र तमिलनाडु और बाहर के कई महत्वपूर्ण उद्योगों की मांग पूरी करेगा। यह संयंत्र स्थानीय ल्यूब्रिकेंट उत्पादन में वृद्धि करेगा और आयात को कम करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे देश का पैसा भी बचेगा। सभी परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने कहा, हमारा लक्ष्य विकसित देश के लिये विकसित तमिलनाडु का निर्माण करना है। केंद्र सरकार तमिलनाडु के लोगों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम राज्य की प्रगति के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं और आगे भी करेंगे। इस मौके पर मोदी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत तमिलनाडु में 370 किमी लंबी 89 ग्रामीण सड़कों का उद्घाटन किया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार, स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में सुधार होगा।

मोदी ने कहा, ''इनमें से हर सड़क केवल अवसंरचना नहीं है, बल्कि मरीज बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सकते हैं, छात्र स्कूल एवं कॉलेज जा सकते हैं, किसान अपने उत्पाद बेचने या सामग्री खरीदने जा सकते हैं। कुल मिलाकर ये सड़कें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाती हैं और जीवन की सुविधा बढ़ाती हैं।'' मोदी ने एनएच -81 पर गंगाइकुंडा चोलापुरम के पास ग्रीनफील्ड बाईपास के शिलान्यास का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले साल उन्होंने आदि तिरुवथिराई उत्सव के लिए गंगाइकुंडा चोलापुरम का दौरा किया था।

हवाई क्षेत्र प्रतिबंध के कारण बेंगलूरु हवाईअड्डे पर 21 उड़ानें रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हवाई क्षेत्र में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण बुधवार को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर कुल 21 उड़ानें रद्द कर दी गईं जिससे पश्चिम एशियाई गंतव्यों की ओर जाने वाली हवाई सेवाएं प्रभावित हुईं। हवाईअड्डे का संचालन करने वाली कंपनी बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) ने यह जानकारी दी।

बीआईएएल ने एक बयान में कहा कि हवाई क्षेत्र में प्रतिबंध के कारण 11 मार्च 2026 को 11 आगमन और 10 प्रस्थान उड़ानों को रद्द करना पड़ा। बीआईएएल के अनुसार, इन उड़ानों को रद्द करने का असर मुख्य रूप से अबू धाबी, रियाद, जेद्दा, दम्माम, दुबई और दोहा जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर संचालित उड़ानों पर पड़ा, जहां हवाई क्षेत्र संबंधी पाबंदियों के कारण सेवाएं प्रभावित हुईं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारतीय रेलवे
सार्वजनिक अधिसूचना

प्रोफार्मा 10.01

दक्षिण पश्चिम रेलवे के नीचे उल्लिखित खंड के पूर्ण हो चुके खंड पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को यह सूचना दी जाती है कि 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज एसी ओवरहेड ट्रैक्शन तारों को खंड के सामने निर्दिष्ट तिथि को या उसके बाद सक्रिय किया जाएगा। उसी तिथि से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय चालू माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति अलमट्टी (सहित) से वंडाल (सहित) स्टेशनों तक उक्त ओवरहेड लाइन के निकट नहीं जाना या काम नहीं करना।

क्र. सं.	अनुभाग/यार्ड	चेनेज किमी में	ऊर्जाकरण की संभावित तिथि
1	अलमट्टी (सहित) से वंडाल (सहित) स्टेशनों तक मुख्य लाइन	चैनेज 128/350 से चैनेज 137/930 तक	18.03.2026
2	अलमट्टी, बेनल हॉल्ट और वंडाल	स्टेशन क्षेत्र और यार्ड	

प्रोफार्मा 10.02

भारतीय रेलवे
एसी 25 केवी ट्रैक्शन की शुरूआत
टॉप रोड उपयोगकर्ताओं के लिए चेतावनी

जनता की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि दक्षिण पश्चिम रेलवे के **अलमट्टी (सहित) से वंडाल (सहित) स्टेशनों तक चेनेज 128/350 से चैनेज 137/930 तक** 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन की शुरूआत के संबंध में, सभी लेवल क्रॉसिंग पर सड़क स्तर से 4.78 मीटर ऊपर स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई वाले ऊंचाई गेज लगाए गए हैं, ताकि अत्यधिक ऊंचाई वाले भार को लाइन ट्रैक्शन वायर (संपर्क तार) के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता से रोका जा सके, जो लेवल क्रॉसिंग पर रेल स्तर से **न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊंचाई पर होगा।** जनता को सूचित किया जाता है कि वाहनों में माल लादने के उद्देश्य से ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सड़क वाहनों में ले जाए जाने वाले भार किसी भी परिस्थिति में ऊंचाई गेज का उल्लंघन न करें।

अत्यधिक ऊँचाई वाले भार के खतरे इस प्रकार हैं।

1. ऊँचाई गेज को खतरा तथा परिणामस्वरूप सड़क और रेलवे लाइन में बाधा।
2. वाहन पर ले जाए जाने वाले सामान या उपकरण को खतरा।
3. कंडक्टरों के संपर्क में आने या उनके खतरनाक निकटता के कारण आग लगने का खतरा तथा जान का जोखिम।

उप मुख्य विद्युत अभियंता, निर्माण
दक्षिण पश्चिम रेलवे, हुबली

स्थान: हुबली
दिनांक: 09.03.2026

PUB/987/AAMO/PRB/SWR/2025-26

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्थिति परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

शीतला अष्टमी

शीतला अष्टमी के शुभ अवसर पर बुधवार को बीकानेर में शीतला माता मंदिर में महिला श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। मंदिर के बाहर भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं।

नौकरी दिलाने के नाम पर 8500 लोगों से ठगी में व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा शहर की पुलिस ने नौकरी के नाम पर 8500 लोगों से ठगी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी अंतरराज्यीय नौकरी गिरोह का कथित सरगना है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तकनीकी निगरानी और जांच के जरिये पुलिस ने बिहार से आरोपी को गिरफ्तार किया।

अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने घर से कार्य करने के अवसर का वादा कर पीड़ितों से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये एकत्र किए। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान कुमार सानू उर्फ दीपक सिंह के रूप में हुई है और वह बिहार के खगड़िया जिले का रहने वाला है। उसे मंगलवार शाम को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने आगे की पूछताछ के लिए 10 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की।

कोटा शहर की पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि इस मामले की जांच 15 नवंबर, 2025 को अनंतपुरा थाना में कुलदीप शर्मा और कई अन्य पीड़ितों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद शुरू हुई थी। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सिंह ने 'ओएसिस इंटरप्राइजेज' नामक एक कंपनी संचालित की जिसने घर से नौकरी के नाम पर लोगों को लुभाया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को अखबार के विज्ञापनों के माध्यम से निशाना बनाया। उसने कथित तौर पर आवेदनकर्ताओं से 2,500 रुपये सुरक्षा राशि के रूप में वसूले।

योजना को बढ़ाने के लिए सिंह ने 'चेन मार्केटिंग मॉडल' अपनाया और हर नए सदस्य के लिए 500 रुपये का कमीशन देने का वादा किया। कुछ ही महीनों में उसने हजारों पीड़ितों से करीब दो करोड़ रुपये इकट्ठा किए और कोटा के सुभाष नगर स्थित अपना दफ्तर बंद कर फरार हो गया । शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो सिंह के बिहार में होने की जानकारी मिली।

जिसके बाद पुलिस टीम ने भागलपुर जिले के नौगछिया स्थित एक होटल में छापा मारा जहां वह अपनी पत्नी के साथ छिपा हुआ था। पुलिस ने सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसकी पत्नी को परिवार के सदस्यों के साथ जाने की अनुमति दी गई।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के दौरान सिंह के पास से 1,88,500 रुपये नकद, एक कार और कई नकली आधार तथा ई-श्रम कार्ड बरामद किए। पूछताछ में पता चला कि सिंह बिहार के दरभंगा, झारखंड के रांची, छत्तीसगढ़ के दुर्ग, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, राजस्थान के बीकानेर और मध्य प्रदेश के इंदौर में भी कथित तौर पर इसी तरह की ठगी को अंजाम दे चुका है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच राजस्थान में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिम एशिया संकट के चलते वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित होने से राजस्थान में होटल, रेस्तरां, फैक्टरियां, शादी समारोहों के कैटरर्स और पर्यटन प्रतिष्ठान दैनिक संचालन में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। घरेलू और वाणिज्यिक गैस उपभोक्ता सिलेंडर सुरक्षित करने के लिए गैस एजेंसियों का चक्कर लगाते देखे गए। वाणिज्यिक सिलेंडरों की नई बुकिंग नहीं हो रही है, जिससे विभिन्न उद्योग प्रभावित हुए हैं। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि संकट ने उन क्षेत्रों में अनिश्चितता पैदा कर दी है जो एलपीजी पर अत्यधिक निर्भर हैं।

रेस्तरां मालिकों का कहना है कि रसोई पहले से ही प्रभावित हो रही है और शादी समारोहों का खर्च भी गैस की कमी के कारण बढ़ने वाला है। 'जयपुर कैटरिंग डीलर्स कमेटी' के अनुसार, शहर में करीब 6,000 से 7,000 रेस्तरां और ढाबे वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर हैं, इसके अलावा कई छात्रावास रसोईघर, 'मैस' सुविधाएं और हाईवे ढाबे भी रोजाना खाना बनाने के लिए इन सिलेंडरों का उपयोग करते हैं। कुछ रेस्तरां संचालक अब कोयला भट्ठी, डीजल बर्नर का सहारा लेने पर विचार कर रहे हैं। 'राजस्थान टेंट डीलर्स एसोसिएशन' के अध्यक्ष रवि जिंदल ने कहा कि सिलेंडरों की कमी से शादी का खर्च 25,000 से 30,000 रुपये तक बढ़ सकता है।

बुधवार को बीकानेर में भीषण गर्मी के बीच एक छात्र अपनी प्यास बुझाने के लिए पानी पीता हुआ दिखाई दिया।

राजस्थान में तेज गर्मी, सप्ताहांत आंधी-बारिश की संभावना

जयपुर। राजस्थान में मार्च के महीने में आसामान्य रूप से तेज गर्मी पड़ रही है और मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताहांत आंधी-बारिश की संभावना है जिससे तापमान में आंशिक गिरावट आएगी। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार इस समय राज्य के अधिकतर भागों में अधिकतम तापमान 36 से 40 डिग्री के बीच है जो सामान्य से 4 से 10 डिग्री सेल्सियस अधिक है। बुधवार सुबह तक के बीते 24 घंटों में सर्वाधिक तापमान बाड़मेर में 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

झुंझुनू के पिलानी में यह 39.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकतर भागों में आगामी तीन-चार दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है और अगले 48 घंटे तापमान में विशेष बदलाव नहीं होने तथा 10-11 मार्च को दक्षिण-पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है।

वहीं 12 मार्च से तापमान में हल्की गिरावट हो सकती है। इसी तरह 14-15 मार्च को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की आंधी-बारिश होगी तथा तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट आएगी।

सरकारी अस्पताल से हत्या का आरोपी फरार, पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के बारां जिले में हत्या के एक मामले में आरोपी सोमवार देर रात जिले के एक सरकारी अस्पताल से कथित तौर पर फरार हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं और कैदी के साथ तैनात पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, मध्यप्रदेश के ग्वालियर का रहने वाला बबलू जाट बारां जिले के छुपाबरोद थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में 19 वर्षों से फरार था।

पुलिस ने बताया कि हाल ही में ग्वालियर की एक विशेष टीम ने एक महीने तक चले व्यापक तलाशी अभियान के बाद बबलू को गिरफ्तार किया था और उसे छुपाबरोद पुलिस को सौंप दिया गया, जिसके बाद उसे छाबड़ा जेल में डाल दिया गया। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की शिकायत के बाद आरोपी को बारां जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था और इलाज के दौरान पुलिसकर्मियों व सुरक्षा गार्डों को उसके साथ तैनात किया गया था।

पुलिस ने बताया कि सोमवार देर रात आरोपी अस्पताल के कमरे की खिड़की तोड़कर और ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्डों को चकमा देकर कथित तौर पर फरार हो गया। बारां के पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि अस्पताल में मरीज के साथ तैनात एक हेड कांस्टेबल और चार गार्डों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई व प्रारंभिक विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि फरार आरोपी का पता लगाने के लिए पुलिस ने विशेष टीमें गठित की हैं और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि बबलू जाट पिछले 19 साल से ग्वालियर में रह रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए अक्सर अपनी पहचान व हुलिया बदलता रहता था।

खेजड़ी संरक्षण के लिए सख्त कानून की दिशा में सरकार के प्रयास हुए तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य वृक्ष खेजड़ी के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सख्त कानून लाने की दिशा में प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इसी क्रम में संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में गठित समिति की द्वितीय बैठक उनके जयपुर स्थित राजकीय आवास पर आयोजित की गई, जिसमें प्रस्तावित खेजड़ी संरक्षण अधिनियम के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा करते हुए गहन मंथन किया गया।

बैठक में वन एवं पर्यावरण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, उद्योग राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई, विधायक पब्बाराम बिश्नोई, पूर्व विधायक बिहारी लाल बिश्नोई सहित विधि विभाग के अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में खेजड़ी वृक्षों के संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रभारी मंत्री एवं संसदीय कार्य तथा विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राज्य वृक्ष खेजड़ी राजस्थान की संस्कृति, पर्यावरण और ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा है। प्रदेश की मरुस्थलीय पारिस्थितिकी में इसका अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। खेजड़ी वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि पशुधन के लिए चारे की उपलब्धता तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए इसके संरक्षण के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण तथा जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए खेजड़ी वृक्षों के संरक्षण के लिए प्रभावी एवं सशक्त कानूनी प्रावधान सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा मजबूत कानून तैयार करना है, जिससे खेजड़ी वृक्षों की अवैध कटाई पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो सके तथा प्रदेश की पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय विरासत को सुरक्षित रखा जा सके।

पटेल ने बताया कि बैठक में अधिनियम के प्रस्तावित प्रारूप को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा विभिन्न राज्यों में लागू वृक्ष संरक्षण संबंधी कानूनों का तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा वृक्ष संरक्षण के लिए तैयार किए जाने वाले प्रारूप विधेयक के विभिन्न प्रावधानों पर गहन मंथन किया गया तथा प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार-विमर्श करते हुए संभावित प्रावधानों पर सुझाव दिए गए। बैठक में समिति द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में विधेयक का प्रारूप प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि उसे अंतिम रूप देने की दिशा में आगे की प्रक्रिया पूरी की जा सके। समिति की अगली बैठक 22 मार्च 2026 को आयोजित की जाना प्रस्तावित है।

गौ कल्याण के लिए राज्य सरकार लाएगी 'गौ सेवा नीति'

जयपुर। प्रदेश में गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक बड़ा कदम उठाते हुए गौ सेवा नीति, 2026 लाने की घोषणा की है। इस नीति के अंतर्गत गौ सेवा और गौ कल्याण को अधिक गति प्रदान की जाएगी, जिससे गोधन का विकास होगा। यह नीति ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के साथ ही किसानों और पशुपालकों को संबल प्रदान करने में सहायक होगी। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुसार चार जातियों किसान, महिला, युवा और मजदूर के कल्याण के संकल्प को साकार करेगी। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने अपने 2 वर्ष से अधिक के कार्यकाल में पशुधन संरक्षण, संवर्धन एवं सुरक्षा की दिशा में समर्पित होकर कार्य किया है। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के माध्यम से पशुपालकों को संबल मिला है। वहीं पंजीकृत गौशालाओं में बड़े पशु के लिए प्रतिदिन 50 रुपये तथा छोटे पशु के लिए प्रतिदिन 25 रुपये का अनुदान गौ संरक्षण की दिशा में कारगर साबित हुआ है। इसी प्रकार राज्य सरकार ने कृषक कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण पहलें की हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में प्रदेश के किसानों को 9 हजार रुपये प्रतिवर्ष राशि सुनिश्चित करते हुए लगभग 11 हजार करोड़ रुपये की राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है।

सोशल मीडिया रील्स को लेकर हुए विवाद में छात्र की हत्या

कोटा। कोटा में सोशल मीडिया रील्स को लेकर हुए विवाद के बाद दो. तीन युवकों ने कथित तौर पर लोहे की छड़ों और चाकू से वार कर 17 वर्षीय एक छात्र की हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना मंगलवार रात 11 बजे उद्योग नगर थाना क्षेत्र के प्रेम नगर में हुई। पीड़ित एक शादी समारोह से लौट रहा था तभी उसे रोका गया। मृतक की पहचान प्रेम नगर के जगा बस्ती निवासी 11वीं कक्षा के छात्र शुभम सैन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, चौथ माता मंदिर के पास हुए हमले में सैन को गंभीर चोटें आईं। उसे तत्काल न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उद्योग नगर सर्कल इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह ने बताया कि सैन के पेट में गहरे घाव थे और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने विशाल और राज बच्चा नामक दो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए और अभी तक उन्हें पकड़ा नहीं जा सका है।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मृतक और आरोपी के बीच सोशल मीडिया सामग्री को लेकर लंबे समय से प्रतिद्वंद्विता चल रही थी। सैन सोशल मीडिया मंच पर रील बनाकर अपलोड करता था, जिसे विवाद का कारण माना जा रहा है। सिंह ने कहा, विवाद के सटीक कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

आरक्षण खिड़की व ट्रेन ठहराव के लिए बाकरा निवासियों ने सौंपा ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाकरा। राजस्थान के जालोर जिले के बाकरा रोड रेलवे स्टेशन समदड़ी-भीलड़ी रेलमार्ग पर सुपरफास्ट और एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव और कम्प्युटरीकृत आरक्षण विंडो की सुविधा उपलब्ध कराने के संदर्भ में बाकरा ग्राम के निवासियों ने रेलमंत्री अश्विन वैष्णव को एक ज्ञापन दिया। ग्रामवासियों ने जिला कलेक्टर के माध्यम से यह लिखित व हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपा और बाकरा स्टेशन पर कम्प्युटरीकृत आरक्षण विंडो व विभिन्न ट्रेनों के ठहराव उपलब्ध कराने का निवेदन किया गया। बाकरा ग्रामवासियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

राजस्थान दिवस 2026 : कार्यक्रमों की शुरुआत 14 से, मुख्य समारोह 19 को जालोर में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। इस साल भी 'राजस्थान दिवस' चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाएगा और इसके कार्यक्रमों की शुरुआत 14 मार्च से होगी। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि मुख्य समारोह 19 मार्च को जालोर में होगा। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर पिछले वर्ष से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर राजस्थान दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी, इसी क्रम में इस बार भी राज्य सरकार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (19 मार्च) को राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम एवं आयोजन करेगी। उन्होंने बताया कि राज्य भर में 14 मार्च से कार्यक्रमों की शुरुआत सात दिवसीय स्वच्छता सप्ताह से होगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस दौरान जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम और सभी जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें कहा गया, 15 मार्च को जयपुर में राज्य स्तरीय 'विकसित राजस्थान रन' का आयोजन होगा, जिसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसी दिन 'राजस्थान को जानें' डिजिटल प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। बयान में कहा गया कि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में निबंध, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। शाम को दिल्ली के बीकानेर हाउस में पांच दिवसीय 'राजस्थान दिवस' की शुरुआत होगी।

इसमें कहा गया, 16 मार्च को डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में 'राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस' मनाया जाएगा। इस दौरान विकास कार्यों का शिलान्यास, जनजातीय कला और हस्तशिल्प प्रदर्शनी, तथा संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 17 मार्च को जयपुर में 'राजस्थान युवा शक्ति दिवस' मनाते हुए राज्य स्तरीय युवा सम्मेलन होगा। बयान में कहा गया कि 18 मार्च को किसान एवं पशुपालक समृद्धि दिवस मनाया जाएगा, और शाम को राजकीय मंदिरों में महाआरती आयोजित की जाएगी, जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। इसमें कहा गया कि राजस्थान दिवस का मुख्य समारोह 19 मार्च को जालोर में आयोजित होगा और लाभार्थी सम्मेलन में लाभार्थियों के साथ संवाद व प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग की समीक्षा बैठक ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में बुधवार को पर्यटन भवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के चैयरमैन ओंकार सिंह लाखावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन,कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व प्रवीण गुप्ता की उपस्थिति में पर्यटन व कला, साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग से सम्बंधित विभिन्न विषयों, योजनाओं तथा बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उपमुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-2026 की लंबित बजट घोषणाओं के त्वरित क्रियान्वयन तथा वर्ष 2026-2027 के लिए की गई बजट घोषणाओं की समय सीमा बनाकर संबंधित कार्यकारी एजेंसीज के साथ समन्वय कर डीपीआर/ लागत प्रस्ताव तैयार करवा कर अग्रिम कार्यवाही कराने निर्देश प्रदान किए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 14 से 19 मार्च तक राजस्थान दिवस सप्ताह को पूर्ण भव्यता के साथ प्रदेश भर में आयोजित किया जावे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोक कलाओं का भव्यता से प्रदर्शन किया जाए तथा राज्य की कला एवं संस्कृति को केंद्र में रख कर राजस्थान दिवस समारोह को सफल बनाया जाए। उन्होंने इसके साथ ही यह भी निर्देश दिए की 18 नवंबर 2027 में जयपुर के स्थापना के तीन सौ वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस हेतु एक समग्र कार्य योजना बनाकर इसे एक भव्य महोत्सव के रूप में मनाए जाने हेतु आवश्यक तैयारियां की जाएं।

दिया कुमारी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की बजट घोषणाओं की अनुपालना में राज्य के प्रत्येक संभाग स्तर पर वहां की प्रसिद्ध नृत्य शैलियों पर आधारित नृत्य उत्सव आयोजित करने के निर्देश दिए। जिससे कि उस क्षेत्र के लोक कलाकारों को स्थानीय स्तर पर मंच प्राप्त हो सके। इसके साथ ही स्थानीय लोगों के साथ वहां आने वाले पर्यटकों को क्षेत्रीय लोक संस्कृति से परिचित होने का अवसर भी मिल सके।उपमुख्यमंत्री ने जयपुर में आने वाले पर्यटकों को दिन व रात में भ्रमण कराने हेतु पर्यटन विभाग- निजी सहभागिता से डे व नाइट बस टूर ऑपरेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटक सहायता बल की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि गाइड्स को स्थानीय कला, संस्कृति, इतिहास की अधिकृत जानकारी देने हेतु रिफ्रेशर कोर्स कराए जाए। इन्हें संस्कृति एवं इतिहास के विशेषज्ञों से व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाया जाए ताकि पर्यटकों को भ्रमण के दौरान ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत की वास्तविक जानकारी मिल सके। उन्होंने पर्यटन विभाग की ओर से तैयार किए जाने वाले एप व वैबपोर्टल पर शीघ्रता से कार्य करने क निर्देश दिए।

भारत लैंगिक समानता और न्याय तक पहुंच के लिए प्रतिबद्ध : सावित्री ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यक्रम में महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में भारत की प्रगति को रेखांकित किया और लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने तथा न्याय तक पहुंच को मजबूत करने के लिए देश की प्रतिबद्धता जताई।

महिलाओं की स्थिति पर आयोग के 70वें सत्र (सीएसडब्ल्यू-70) में मंगलवार को सामान्य चर्चा के दौरान भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य देते हुए ठाकुर ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास का देश का मूलमंत्र समावेशी विकास की उसकी सोच का मार्गदर्शन करता रहा है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि लगभग 90 लाख स्वयं सहायता समूहों की 10 करोड़ से अधिक महिलाओं ने जमीनी स्तर पर नेतृत्व और उद्यमिता को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदल दिया है।

मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि 'अटल इन्क्यूबेशन सेंटर योजना' के तहत समर्थित 1,000 से अधिक स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं, जबकि आठ लाख से अधिक महिला निदेशक सक्रिय भारतीय कंपनियों से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएम-दिशा) के तहत 25 लाख से अधिक ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल सेवाओं में प्रशिक्षित किया गया है, जिससे लैंगिक डिजिटल असमानता को पाटने में मदद मिली है।

ठाकुर ने कहा कि निरंतर नीतिगत हस्तक्षेपों ने भारत की महिला श्रम बल भागीदारी दर को 41.7 प्रतिशत तक बढ़ाने में योगदान दिया है।

सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है, जबकि 14 लाख से अधिक महिलाएं जो सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों का लगभग 46 प्रतिशत हैं पंचायती राज संस्थाओं में सेवाएं दे रही हैं।

बिरला के खिलाफ प्रस्ताव अफसोसजनक, सदन में नियम के विरूद्ध कोई नहीं बोल सकता : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ संकल्प लाने को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि विपक्षी दलों ने बिरला की निष्ठा पर सवाल खड़े किए हैं, जो बहुत अफसोसजनक है। उन्होंने सदन में विपक्ष के संकल्प पर चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि किसी को भी नियम के विपरीत बोलने का अधिकार नहीं है।

शाह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दावा करते हैं कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया जाता, जबकि ''वह खुद बोलना नहीं चाहते।'' उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा लाए गए विधेयकों का उल्लेख करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने विधेयकों पर चर्चा में भाग नहीं लिया। उन्होंने दावा किया कि वह (राहुल) पिछले साल शीतकालीन सत्र के दौरान जर्मनी की यात्रा पर थे।

गृह मंत्री शाह ने कहा, ''जब-जब महत्वपूर्ण सत्र होता है, उनका विदेश दौरा होता है। जब आप विदेश में हैं तो आप कैसे बोलेंगे। यहां वीडियो कांफ्रेंस का प्रावधान नहीं है। अगर ऐसा प्रावधान होता तो उन्हें बोलने का मौका दे देते।''

उन्होंने कहा, ''विपक्ष जब अध्यक्ष की निष्ठा पर सवाल खड़ा करता है तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी है। यह हमारी

परंपरा, उच्च परंपराओं के निर्वहन में बहुत अफसोसजनक घटना है।'' शाह ने कहा, ''लोकसभा अध्यक्ष के फैसले पर असहमति हो सकती है, लेकिन उनका निर्णय अंतिम होता है।'' उन्होंने कहा कि विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष की निष्ठा पर सवाल उठाया है।

गृह मंत्री ने कहा, ''जब सदन के मुखिया की निष्ठा पर सवाल उठाया जाता है तो दुनिया में भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की साख पर सवाल खड़े हो जाते हैं।'' शाह ने कहा कि बजट सत्र के पिछले चरण में लोकसभा अध्यक्ष के चैम्बर में ऐसा माहौल खड़ा किया गया कि अध्यक्ष की सुरक्षा की चिंता पैदा हो गई थी। उन्होंने कहा कि अगर सदन के नियमों के खिलाफ कोई बोलता है तो लोकसभा अध्यक्ष को उसे रोकने और बाहर निकालने का अधिकार है। उन्होंने कहा, ''75 साल से इन दोनों सदनों ने हमारे लोकतंत्र की नींव को पाताल से भी गहरा किया है, लेकिन आज विपक्ष ने इस साख पर एक प्रकार से सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। सदन आपसी विश्वास से चलता है। पक्ष और विपक्ष, दोनों के लिए सदन के अध्यक्ष संरक्षक होते हैं। इसलिए नियम बनाये गए हैं। यह सदन कोई मेला नहीं है। यहां नियमों के अनुसार चलना पड़ता है।'' गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जिन तौर-तरीके को सदन के नियम अनुमति नहीं देते, उस तरह से बोलने का किसी को अधिकार नहीं है, चाहे वह कोई भी हो।

शाह ने कहा, ''हम भी विपक्ष में रहे हैं, तीन बार लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया, लेकिन भारतीय जनता पार्टी और राजग ने विपक्ष में रहते हुए कभी भी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया। हमने अध्यक्ष पद की गरिमा को संरक्षित करने का काम किया है।''

लोकसभा अध्यक्ष बिरला के पास हमारे लिए केवल 'नो' शब्द है : विपक्षी सांसद

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में कुछ विपक्षी सदस्यों ने बुधवार को दावा किया कि जब भी वे लोकसभा में जरूरी मुद्दे उठाना चाहते हैं, तो अध्यक्ष ओम बिरला के पास केवल ''नो'' शब्द होता है। बिरला को अध्यक्ष पद से हटाने के विपक्ष के प्रस्ताव पर निचले सदन में चर्चा के दौरान राष्ट्रीय जनता दल के अभय कुमार सिन्हा ने कहा, ''मुझे अफसोस है कि आसन ने वह निष्पक्षता खो दी है जिसकी (जवाहरलाल) नेहरू जी और हमारे अन्य संविधान निर्माताओं को उम्मीद थी।'' सिन्हा ने कहा, ''असली लोकतंत्र वह है जिसमें सबसे गरीब और कमजोर व्यक्ति को भी लगे कि उसकी आवाज़ सुनी जा सकती है। यहां, जब भी कोई (विपक्ष का) सांसद बोलने के लिए खड़ा होता है, तो उसे अध्यक्ष के आसन से सिर्फ ''नो-नो'' (नहीं) सुनने को मिलता है।'' झारखंड मुक्ति मोर्चा के सदस्य विजय कुमार हंसदा ने कहा कि यह लोकसभा अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला का दूसरा कार्यकाल है और प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू के नाम का उल्लेख करने के बाद इस सदन में सबसे ज़्यादा बोला जाने वाला शब्द ''नो'' है। उन्होंने कहा, ''जब विपक्ष के सांसद बोलते हैं, तो उन्हें रोका जाता है, और यह एक परंपरा बन गई है।

'हिंसा मुक्त बंगाल' का मेरा सपना अधूरा रह गया : सीवी आनंद बोस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने बुधवार को कहा कि 'हिंसा और भ्रष्टाचार से मुक्त विकसित बंगाल' का उनका सपना अधूरा रह गया। बोस ने पिछले सप्ताह अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह के परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है और यह थोड़े समय में हासिल नहीं किया जा सकता।

बोस ने राज्य छोड़ने से पहले 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान हमेशा 'संविधान की लक्ष्मण रेखा' के भीतर काम करने का प्रयास किया जबकि उन्होंने अपने राज्यपाल के तौर पर प्रदर्शन को 'दस में से केवल दो' अंक दिए। उन्होंने कहा, मेरी प्राथमिकता हिंसा मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त और विकसित बंगाल थी। मैं सभी हितधारकों, विशेष रूप से जनता के सहयोग से इसके लिए काम कर रहा था। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह लक्ष्य हासिल हो गया है, तो बोस ने कहा कि यह प्रक्रिया राज्य के ऐतिहासिक संदर्भ पर आधारित एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, यह इस भूमि के इतिहास से जुड़ा मामला है। हम इसे महीनों में हल नहीं कर सकते। इसके लिए सभी हितधारकों द्वारा निरंतर धैर्य और सहनशीलता का अभ्यास आवश्यक है। यह एक लंबी प्रक्रिया है। इसलिए मैं तीन साल की इस छोटी अवधि में शत प्रतिशत सफलता का दावा नहीं कर सकता। राज्यपाल ने अपने कार्यकाल पर विचार करते हुए कहा कि उन्होंने संवैधानिक सीमाओं का कड़ाई से पालन करते हुए निर्वाचित सरकार के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, बंगाल के राज्यपाल के रूप में, मैंने भारत के संविधान की सीमाओं के भीतर और लोकतंत्र व बंगाल की जनता के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए कार्य करने का प्रयास किया।

बोस ने कहा, मेरे अनुसार, राज्यपाल के रूप में मेरे प्रशासन की विशेषता मेरे स्वभाव के मूलभूत तत्व हैं, जो बीच का रास्ता निकालने की ओर झुकाव रखते हैं। मैंने भारत के संविधान द्वारा खींची गई लक्ष्मण रेखा के भीतर रहने का प्रयास किया। मैंने दूसरों को भी अपनी लक्ष्मण रेखा पार नहीं करने दी। पूर्व आईएएस अधिकारी ने अप्रैल में बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों से ठीक पहले पांच मार्च को अचानक इस्तीफा दे दिया था।

पटना के जदयू कार्यालय पहुंचे निशांत कुमार

समर्थकों ने लगाए 'मुख्यमंत्री कैसा हो' के नारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता निशांत कुमार बुधवार को यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंचे, जहां मौजूद कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

कार्यालय पहुंचते ही समर्थकों ने उन्हें घेर लिया और जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। बिहार का मुख्यमंत्री कैसा हो, निशांत कुमार जैसा हो जैसे नारों से पूरा कार्यालय गूंज उठा। दरअसल, आठ मार्च को निशांत कुमार ने औपचारिक रूप से जदयू की सदस्यता ग्रहण की थी। उन्हें पार्टी की सदस्यता जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने दिलाई थी। उस समय केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। सदस्यता ग्रहण करने के बाद से ही निशांत कुमार लगातार पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के संपर्क में हैं। बुधवार को जदयू कार्यालय में आयोजित 'जनता दरबार' में भी वह पहुंचे और उन्होंने आम लोगों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार की यह परंपरा लंबे समय से पार्टी कार्यालय में चल रही है, जहां आम नागरिक अपनी समस्याएं लेकर आते हैं। इस दौरान बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि हर बुधवार को पार्टी कार्यालय में जनता दरबार आयोजित किया जाता है और कार्यकर्ताओं का उत्साह स्वाभाविक है, क्योंकि निशांत कुमार उनसे सीधे संवाद कर रहे हैं।

सिविल सेवाओं में एआई का उपयोग बढ़ाने को प्राथमिकता दी जा रही: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि सिविल सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग बढ़ाने और अधिकारियों को इस कौशल एवं ज्ञान से लैस करने को प्राथमिकता दी जा रही है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सिंह ने कहा कि 'आईजीओटी' (एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण) कर्मयोगी प्लेटफॉर्म में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती प्रौद्योगिकियों पर 105 पाठ्यक्रम हैं, जो अधिकारियों को आवश्यक डिजिटल ज्ञान और कौशल से लैस करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि यह पाठ्यक्रम शिक्षा और कौशल, कार्यालय उत्पादकता, कृषि, सार्वजनिक स्वास्थ्य, एआई सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एआई के उपयोग से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि एआई और नई प्रौद्योगिकियों में सरकारी कर्मचारियों को कुशल बनाने की आवश्यकता को देखते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता में सिविल सेवाओं को दक्ष करने तथा इस क्षेत्र में कौशल और ज्ञान के साथ सरकारी तंत्र को सशक्त बनाने को उच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

ओड़िशा पुलिस के सामने 10 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

फूलबनी (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के कंधमाल जिले में बुधवार को 10 माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया । इन माओवादियों पर कुल एक करोड़ 15 लाख रुपए का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में भाकपा(माओवादी) की राज्य समिति के सदस्य सानू पोट्टम उर्फ नितू शामिल हैं, जिस पर 55 लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले इन दस माओवादियों में छह महिलायें एवं चार पुरुष हैं। इन लोगों ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नक्सल विरोधी अभियान) संजीब पांडा, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिरीक्षक अमितेंद्र नाथ सिन्हा, दक्षिणी संभाग बहरामपुर के पुलिस महानिरीक्षक निति शेखर, पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) दीपक कुमार एवं अन्य अधिकारियों के समक्ष एक समारोह में आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि आत्मसर्मण करने वालों में सानू पोट्टम के अलावा संताई सलाम, लक्ष्मी मडवी (उर्फ अनुपा), सुनील टेलम, मंजुला पुनेम, रामबती अय्यम, गणेश कुंजम, सुशीला डुडी, शरीर कूहुड़म और चौड़ी योड़ी शामिल हैं। इनमें एक डिवीज़नल कमिटी सदस्य और दो एरिया कमिटी सदस्य भी हैं।

रसोई गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक चोरी, मुठभेड़ के बाद सात आरोपी गिरफ्तार

झांसी (उप्र)/भाषा। झांसी जिले में होली के दौरान करीब 500 रसोई गैस सिलेंडरों से भरा एक ट्रक चोरी किए जाने के मामले में सीपरी बाजार क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद सात आरोपियों को गिरफ्तार करके चोरी किए गए सिलेंडर बरामद कर लिए। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बी बी जीटीएस मूर्ति ने बुधवार को बताया कि सीपरी बाजार स्थित भारत पेट्रोलियम डिपो के एक ट्रक का चालक राजकुमार भारत गैस के भरे 524 सिलेंडरों से लदा अपना ट्रक डिपो के बाहर खड़ा कर होली मनाने अपने घर चला गया था। उन्होंने बताया कि अगले दिन वापस आने पर चालक को अपना ट्रक नहीं मिला जिसके बाद ट्रक मालिक नीरज अग्रवाल ने ट्रक चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। मूर्ति ने बताया कि अगले दिन ही चोरी हुआ ट्रक बड़ागांव थानाक्षेत्र में ढाबे के पास खड़ा पाया गया लेकिन उसके अंदर एक भी सिलेंडर नहीं था। इसके अलावा चोरों ने ट्रक में लगा जीपीएस उपकरण भी तोड़कर फेंक दिया था।

भाजपा के 'अच्छे दिन' के सिलेंडर हो गए खाली': अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में संकट का आरोप लगाया । उन्होंने भाजपा सरकार पर एलपीजी सिलेंडरों का सुचारू वितरण सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया और दावा किया कि लोगों को 'रिफिल' के लिए लंबी कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है लेकिन उन्हें भरे हुए सिलेंडर मिल नहीं रहे हैं।

सपा प्रमुख ने 'एक्स' पोस्ट किया,''खाली हो गया भाजपा के 'अच्छे दिनों' का सिलेंडर।'' उन्होंने लिखा,''सिलेंडर की लाइन में घंटों लगने के बाद बताया जा रहा है कि जब तक उपभोक्ता के पास डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) नंबर नहीं होगा तब तक गैस का सिलेंडर नहीं मिलेगा, ऐसे में जनता में रोष-आक्रोश तो जन्मेगा ही। जनता कह रही है कि अगर डीएसी के लिए गैस कंपनियों का सर्वर डाउन है तो हम क्या करें, सर्वर चलाना तो सरकार की ज़िम्मेदारी है। पुरानी पासबुक दिखाने के बहाने सिलेंडर न देना अमानवीय है क्योंकि बच्चे-बुजुर्ग घरों में भूखे हैं।'' उन्होंने कहा कि यह सारा खेल कालाबाज़ारी करनेवाले भाजपाई खेल रहे हैं तथा कालाबाजार में लोगों से उनकी मजबूरी के हिसाब से कई गुना तक दाम वसूले जा रहे हैं।

'मुझे बेवजह भाजपा की 'बी' टीम कहकर बदनाम किया जाता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि उन्हें बेवजह भाजपा की 'बी' टीम कहकर बदनाम किया जाता है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए संसद के निचले सदन में लाये गए संकल्प पर चर्चा में भाग लेते हुए यह बात कही।

ओवैसी ने कहा, ''मुझे बेवजह बदनाम किया जाता है कि मैं आपकी (भाजपा) 'बी' टीम हूं। मुझे थोड़ा वक्त दे दीजिए ताकि सत्तापक्ष के खिलाफ बोल सकूं। हमारे देश में शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका से स्वतंत्र है। लेकिन हम पिछले कुछ समय से यह बार-बार देख रहे हैं कि कार्यपालिका, विधायिका पर कब्जा करते जा रहा है।'' उन्होंने उनकी पार्टी को सत्तापक्ष या विपक्ष से जोड़ कर देखे जाने का परोक्ष रूप से संदर्भ देते हुए कहा, ''मैं यह कहना चाहता हूं कि हम स्वतंत्र संसद के सदस्य हैं, हम यहां किसी राजनीतिक दल के बंधुआ मजदूर नहीं हैं।'' ओवैसी ने कहा कि सरकार कैसे हस्तक्षेप कर रही है, यह इस बात से जाहिर होता है कि ''मीडिया जानती है कि सरकार इस सत्र में महिला आरक्षण विधेयक लाने जा रही है लेकिन हम नहीं जानते और यह सदन भी इससे अवगत नहीं है। तो इस सदन की क्या गरिमा रह जाती है?'' उन्होंने दावा किया कि संकल्प लाने के दौरान विपक्ष ने उस पर हस्ताक्षर करने के लिए उनसे नहीं कहा था। सांसद ने कहा, ''हमसे नहीं पूछा गया हस्ताक्षर करते वक्त। क्या विपक्षी एकजुटता के नाम पर हम गुलाम बन जाएंगे? नहीं बनेंगे गुलाम। उपराष्ट्रपति के चुनाव के समय भी हमसे नहीं पूछा गया था।''

पश्चिम एशिया की स्थिति से प्रभावित गामीण क्षेत्रों के लिए केंद्र पैकेज जारी करे : भाकपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में विपक्ष के एक सदस्य ने पश्चिम एशिया में तनाव के कारण भारत के गामीण क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर बुधवार को चिंता जतायी और सरकार से एक विशेष पैकेज जारी करने की मांग की।

भाकपा सदस्य संदोष कुमार पी ने ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुई चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण बड़ी मात्रा में बासमती चावल विभिन्न बंदरगाहों पर फंसा हुआ है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार कई अन्य कृषि उत्पाद भी रास्ते में फंसे हुए हैं, जिन्हें विदेशों में भेजा जा रहा था।

भाकपा सदस्य ने कहा कि ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा प्रभाव भारत के किसानों पर पड़ेगा और उन्हें इसका नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने मांग की कि ऐसे किसानों की मदद के लिए सरकार को एक विशेष पैकेज की घोषणा करनी चाहिए और उनकी रक्षा के लिए सरकार को कदम उठाने चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पश्चिम एशिया और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार से इस मंत्रालय को बजट में अधिक आवंटन करने की मांग की।

एलपीजी सिलेंडर की पूर्वोत्तर में कोई कमी नहीं, उत्पादन जारी रहेगा : आईओसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बावजूद पूर्वोत्तर में रसोई गैस की आपूर्ति के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। कंपनी पूर्वोत्तर बाजार में करीब 85 प्रतिशत एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति करती है।

आईओसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पूर्वोत्तर में कंपनी के नौ 'बॉटलिंग' संयंत्र अपनी अधिकतम क्षमता पर एलपीजी सिलेंडर का उत्पादन कर रहे हैं और सरकार के निर्देशों के अनुसार उनकी आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा, '' फिलहाल एलपीजी सिलेंडर की मांग और आपूर्ति के बीच कोई अंतर नहीं है। सभी सिलेंडर की आपूर्ति केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार की जा रही है।'' अधिकारी ने बताया कि एलपीजी सिलेंडर के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चा माल कंपनी को असम स्थित चार रिफाइनरी से मिलता है जिन्हें स्थानीय तेल कुओं से पर्याप्त मात्रा में कच्चा तेल एवं तरलीकृत प्राकृतिक गैस प्राप्त होती है। उन्होंने कहा, '' इसलिए पूर्वोत्तर में एलपीजी का उत्पादन कभी बंद नहीं होगा। हालांकि, यदि संकट लंबे समय तक जारी रहता है तो भविष्य में उत्पादन क्षमता प्रभावित हो सकती है।'' सरकार ने गैस आवंटन में बदलाव करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि एलपीजी उत्पादन, सीएनजी और पाइप से मिलने वाली रसोई गैस को प्राथमिकता दी जाए ताकि घरों और परिवहन क्षेत्र में आपूर्ति बाधित न हो।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण भारत की लगभग 30 प्रतिशत गैस आपूर्ति प्रभावित होने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचना जारी कर गैर-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से गैस हटाकर आवश्यक उपभोक्ताओं को देने का निर्देश दिया है। इसके अलावा देश में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कमी से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तीन पेट्रोलियम कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति बनाई गई है, जो होटल एवं रेस्तरां जैसे गैर-आवश्यक क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों के अनुसार ईंधन उपलब्ध कराएगी। आईओसी अधिकारी के अनुसार, पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की दैनिक मांग 1.91 लाख है जिसमें से 1.34 लाख सिलेंडर की खपत अकेले असम में है। उन्होंने बताया कि आईओसी केवल पूर्वोत्तर में हर दिन 1.62 लाख घरेलू सिलेंडर की आपूर्ति करती है जिनमें से 1.06 लाख असम में वितरित किए जाते हैं।

वाणिज्यिक सिलेंडर (19 किलोग्राम) की मांग पूर्वोत्तर बाजार में प्रतिदिन 5,777 सिलेंडर है जिसमें से 4,112 असम लेता है। आईओसी इनमें से 4,106 सिलेंडर पूर्वोत्तर में आपूर्ति करती है जिनमें 2,544 सिलेंडर असम में बेचे जाते हैं।

भारत को टी20 विश्व कप जीतने पर आईसीसी से मिली 25 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुषों का टी20 विश्व कप समाप्त होने के बाद बुधवार को खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि की घोषणा की जो रिकॉर्ड 1.125 करोड़ अमेरिकी डॉलर है जिसमें घरेलू मैदान पर चैंपियन बनी भारतीय टीम को सबसे बड़ा हिस्सा 2,639,423 डॉलर (लगभग 25 करोड़ रुपए) मिला।

भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी ट्रॉफी अपने नाम की। उपविजेता न्यूजीलैंड को 14,22,692 अमेरिकी डॉलर (लगभग 13 करोड़ रुपए) मिले जबकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड को क्रमशः लगभग 9.24 करोड़ रुपए और 8.96 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। अन्य शीर्ष टीमों में वेस्टइंडीज को 5,38,269 अमेरिकी डॉलर मिले जबकि अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने वाली पाकिस्तान टीम को 5,22,692 अमेरिकी डॉलर मिले। जिम्बाब्वे को 4,91,538 अमेरिकी डॉलर और श्रीलंका को 4,75,962 अमेरिकी डॉलर दिए गए।

सुपर आठ चरण में बाहर हुई अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की टीमों को प्रत्येक 3,09,808 अमेरिकी डॉलर मिले।

सुविचार

अहंकार और प्रेम एक ही दिल में नहीं रह सकते। जहाँ अहंकार आता है, वहाँ से प्रेम धीरे-धीरे विदा ले लेता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एकजुट होकर चुनौती का सामना करें

लोकतंत्र में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भी कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। एक बड़ी जिम्मेदारी यह है कि जब देश के सामने कोई चुनौती आए तो सारे मतभेद भुला दें और सरकार एवं नागरिकों के साथ मिलकर काम करें। इससे देश की ताकत बढ़ती है। चुनौती पर जल्दी जीत हासिल होती है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बात से बिल्कुल ही अनभिज्ञ हैं। उन्होंने ईरान के इजराइल-अमेरिका से युद्ध और भारत में रसोई गैस सिलेंडरों की उपलब्धता के बारे में जो बयान दिया है, वह हकीकत से परे है। केजरीवाल केंद्र सरकार की खूब आलोचना करें। यह उनका अधिकार है, लेकिन एक वरिष्ठ राजनेता के तौर पर उनकी जिम्मेदारी है कि वे सच बोलें। केजरीवाल कहते हैं, 'वे (प्रधानमंत्री) जाकर सीधे इजराइल और अमेरिका के साथ तथा ईरान के खिलाफ खड़े हो गए।' क्या प्रधानमंत्री जब विदेश जाकर उनके शीर्ष राजनेताओं से मुलाकात करते हैं तो इसका यह मतलब है कि वे अन्य देशों के खिलाफ खड़े हो गए? यह कैसा तर्क है? विभिन्न देशों के साथ मधुर संबंध रखना विदेश नीति का अनिवार्य हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी पूर्व में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिल चुके हैं। इन मुलाकातों को कौनसे देश के खिलाफ माना जाएगा? जब दो देशों के शीर्ष राजनेता इस तरह मिलते हैं तो वे अपनी निजी दोस्ती निभाने के लिए नहीं मिलते। उनके लिए अपने देशों के हित ही सर्वोच्च होते हैं। इजराइल और ईरान, दोनों के साथ भारत के संबंध अच्छे हैं। ईरान के पास तेल और गैस हैं, इजराइल के पास उन्नत तकनीक है। वहां बड़ी संख्या में भारतीय नौकरी करते हैं। अगर भारत को तेल और गैस की तथा ईरान को खाद्यान्न की जरूरत हो, तो क्या दोनों देश इस वजह से बातचीत न करें, क्योंकि इजराइल नाराज हो जाएगा? अगर भारत को अत्याधुनिक ड्रोन की और इजराइल को प्रतिभाशाली इंजीनियरों की जरूरत हो, तो क्या दोनों देश इस वजह से बातचीत न करें, क्योंकि ईरान को बुरा लगेगा?

केजरीवाल का यह कथन भी समझ से परे है- '(प्रधानमंत्री मोदी को) युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले इजराइल जाने की क्या जरूरत थी? युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले नेतन्याहू को गले लगाने की क्या जरूरत थी? ऐसा करके उन्होंने पूरे देश को संकट में डाल दिया।' क्या इजराइल और ईरान के शीर्ष राजनेता युद्ध करने से पहले, भारतीय प्रधानमंत्री को चिट्ठियां लिखते हैं? इन दोनों देशों के संबंध दशकों से खराब हैं। इनके नेता एक-दूसरे के खिलाफ आग उगलते रहते हैं। इनके सैन्य अधिकारी एक-दूसरे को ललकारते रहते हैं। अगर ये अपने हर बयान पर कायम रहते तो अब तक एक-दूसरे को दुनिया के नक्शे से मिटा चुके होते! किसे पता था कि दोनों देशों में भिड़ंत हो ही जाएगी? किसने सोचा होगा कि खामेनेई की हत्या कर दी जाएगी? कौन जानता था कि हमास इजराइल के नागरिकों पर बहुत घातक हमला करेगा? इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद, जिसके कारनामों की काफी चर्चा होती है, वह भी हमास के मंसूबों को नहीं भांप पाई थी। दुनिया में हर घटना का हमेशा सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता। केजरीवाल कह सकते हैं कि नेतन्याहू को गले लगाने से भारत में ईंधन की समस्या आई है। क्या ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान को गले लगाते तो गैस सिलेंडरों के जहाज भर-भरकर आते? ऐसा नहीं है। उस स्थिति में भी ये दोनों देश लड़ते और नतीजा यही निकलता। ऐसा न समझें कि प्रधानमंत्री मोदी ईरान की खुलकर हिमायत करते तो भारत में रसोई गैस संबंधी कोई समस्या नहीं होती। क्या होता अगर ईरान हमारे जहाजों की सुरक्षित निकासी का वचन देता, लेकिन अमेरिका उन पर हमला कर देता? युद्ध में ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। उस स्थिति में अमेरिका अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय पूरा मलबा ईरान या किसी उग्रवादी संगठन पर डाल सकता था। तब केजरीवाल यह कहकर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते कि 'क्या जरूरत थी मसूद पेज़ेशकियान को गले लगाने की? अगर ट्रंप से मिलते तो हमारे जहाज सुरक्षित होते!' दुनिया में अनिश्चितता हमेशा रहेगी। हमारे चाहने मात्र से न तो नेतन्याहू ईरान को आम भेजेंगे और न वहां से उनके लिए गुलाब आएंगे। हमें हर घटना के अनुभव से शिक्षा लेते हुए अपने देश के भविष्य को सुरक्षित बनाने पर जोर देना चाहिए। एकजुट होकर चुनौती का सामना करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगने वाला हर रुपया नए रोजगार का सृजन करता है। ये जितने भी प्रोजेक्ट है, इनसे केरलम के हजारों नौजवानों को नए रोजगार मिलने वाले है। मुझे पूरा भरोसा है, कि ये सभी प्रोजेक्ट विकसित केरलम के हमारे संकल्प को सिद्ध करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

-नरेन्द्र मोदी

राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं प्रतापगढ़ विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्री हेमंत मीणा जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करती हूं।

-दिया कुमारी

पहले जो तीन बार प्रस्ताव आया था, वो तब आया जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी, लेकिन हम कभी नहीं लाए। तीनों बार ये परंपरा रही कि जब स्पीकर पर अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा होगी तब इस स्थान पर स्पीकर साहब स्थान ग्रहण नहीं करेंगे।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

ईश्वर पर विश्वास

एक अंग्रेज मित्र तथा कु. मूलर के साथ स्वामी विवेकानंद जी मैदान में टहल रहे थे, उसी समय एक पागल सांड तेजी से उनकी ओर बढ़ने लगा। अंग्रेज सज्जन भाग कर पहाड़ी के दूसरी छोर पर जा खड़े हुए। कु. मूलर भी जितना हो सका, दौड़ी और घबराकर गिर पड़ीं। स्वामी विवेकानंद जी उन्हें सहायता पहुंचाने का कोई और उपाय न देख खुद सांड के सामने खड़े हो गये और सोचने लगे, 'चलो, अंत आ ही पहुंचा।' बाद में अंग्रेज मित्र ने बताया था कि उस समय उनका मन हिसाब करने में लगा हुआ था कि सांड उन्हें कितनी दूर फेंकेगा। लेकिन कुछ देर बाद वे ठहर गये और पीछे हटने लगे।

अपने कायरतापूर्ण पलायन पर अंग्रेज बड़ा लज्जित हुआ। कु. मूलर ने पूछा कि वे ऐसी खतरनाक स्थिति से सामना करने का साहस कैसे जुटा सके? स्वामीजी ने पत्थर के दो टुकड़े उठाकर उन्हें आपस में टकराते हुए कहा, खतरे और मृत्यु के समक्ष में स्वयं को चमकते पत्थर के समान सबल महसूस करता हूं, क्योंकि मैंने ईश्वर के चरण स्पर्श किये हैं।

सामयिक

विश्व किडनी दिवस : स्वस्थ जीवन की ओर एक पहल

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपाय अपनाए जा सकते हैं। पर्याप्त माला में पानी पीना, संतुलित और पौष्टिक भोजन करना, नमक और तले-भुने भोजन का कम सेवन करना, नियमित व्यायाम करना और धूम्रपान-शराब से दूर रहना किडनी के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इसके अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप के मरीजों को अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच करानी चाहिए।

विश्व किडनी दिवस हर वर्ष मार्च के दूसरे गुरुवार को मनाया जाने वाला एक वैश्विक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को किडनी के महत्व और किडनी से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूक करना है। आधुनिक जीवनशैली, बदलती खान-पान की आदतें और बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं के कारण आज किडनी रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए यह दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य से जुड़े एक गंभीर विषय की ओर समाज का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास है। दुनिया भर में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, चिकित्सक, सामाजिक संगठन और सरकारें इस दिन के माध्यम से लोगों को यह संदेश देती हैं कि किडनी हमारे शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है और इसकी सुरक्षा के लिए समय रहते सावधानी बरतना आवश्यक है।

मानव शरीर में सामान्यतः दो किडनी होती हैं, जो रीढ़ की हड्डी के दोनों ओर स्थित रहती हैं। ये आकार में भले ही छोटी होती हैं, लेकिन शरीर के संतुलन को बनाए रखने में इनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। किडनी का मुख्य कार्य रक्त को शुद्ध करना और शरीर से अपशिष्ट पदार्थों को मूत्र के माध्यम से बाहर निकालना है। इसके अलावा किडनी शरीर में पानी और खनिजों का संतुलन बनाए रखने, अम्ल-क्षार संतुलन को नियंत्रित करने, रक्तचाप को नियंत्रित करने और लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि किडनी ठीक से कार्य न करे तो शरीर में विषैले तत्व जमा होने लगते हैं, जिससे अनेक गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

विश्व किडनी दिवस की शुरुआत वर्ष 2006 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किडनी रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। तब से यह दिन हर वर्ष विश्व भर में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि लोग किडनी के स्वास्थ्य को गंभीरता से लें और समय-समय पर अपनी जांच कराते रहें। आज दुनिया भर में करोड़ों लोग किडनी से संबंधित बीमारियों से प्रभावित हैं। अनुमान है कि विश्व में लगभग 85 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में किडनी रोग से प्रभावित हैं और कई लोगों को इसकी जानकारी भी नहीं होती।

किडनी रोगों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इनके शुरुआती चरण में अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। इसी कारण इसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है। कई बार लोगों को तब पता चलता है जब किडनी की कार्यक्षमता काफी कम हो चुकी होती है। यदि समय रहते इसका पता चल जाए तो उपचार और जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से इस रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन यदि रोग लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो किडनी फेलियर की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसमें मरीज को डायलिसिस या किडनी प्रत्यारोपण की आवश्यकता पड़ती है। क्रोनिक किडनी रोग यानी सीकेडी आज विश्व स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यह रोग धीरे-धीरे महीनों या वर्षों में विकसित होता है और किडनी की कार्यक्षमता को कम कर देता है। कई अध्ययनों के अनुसार विश्व में लगभग हर दस में से एक व्यक्ति किसी न किसी स्तर पर क्रोनिक किडनी रोग से प्रभावित है। यदि इसका समय पर उपचार न किया जाए तो यह किडनी फेलियर का रूप ले सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में किडनी रोग वैश्विक स्तर पर मृत्यु और बीमारी का एक बड़ा कारण बन सकता है।

किडनी रोगों के कई प्रमुख कारण होते हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण मधुमेह और उच्च रक्तचाप हैं। ये दोनों बीमारियाँ किडनी की रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करती हैं और धीरे-धीरे उसकी कार्यक्षमता को कम कर देती हैं। इसके अलावा मोटापा, असंतुलित आहार, धूम्रपान, शराब का अत्यधिक सेवन, दर्द निवारक दवाओं का अधिक उपयोग और पर्याप्त पानी न पीना भी किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आधुनिक जीवनशैली में लोगों की शारीरिक गतिविधि कम हो गई है और तनाव तथा अनियमित दिनचर्या बढ़ गई है, जो किडनी रोगों के जोखिम को और बढ़ाती है।

किडनी रोग केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। जब किसी व्यक्ति को किडनी फेलियर हो जाता है, तो उसे नियमित डायलिसिस की आवश्यकता पड़ती है। यह प्रक्रिया महंगी होती है और कई परिवारों के लिए आर्थिक बोझ बन जाती है। कई देशों में किडनी प्रत्यारोपण ही अंतिम विकल्प होता है, लेकिन इसके लिए उपयुक्त दाता और पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता होती है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि किडनी रोगों की रोकथाम और प्रारंभिक पहचान पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपाय अपनाए जा सकते हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, संतुलित और पौष्टिक भोजन करना, नमक और तले-भुने भोजन का कम सेवन करना, नियमित व्यायाम करना और धूम्रपान-शराब से दूर रहना किडनी के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इसके अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप के मरीजों को अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच करानी चाहिए, क्योंकि ये दोनों बीमारियाँ किडनी को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। समय-समय पर रक्त और मूत्र परीक्षण कराने से किडनी की स्थिति का पता लगाया जा सकता है और किसी भी समस्या का प्रारंभिक चरण में ही उपचार संभव हो सकता है। विश्व किडनी दिवस का महत्व इस बात में भी है कि यह समाज को यह याद दिलाता है कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। जब लोग किडनी के महत्व को समझेंगे और अपने जीवन में स्वस्थ आदतों को अपनाएंगे, तभी किडनी रोगों के बढ़ते खतरे को कम किया जा सकेगा।

नजरिया

फूहड़ कंटेंट, सोशल मीडिया और संस्कृति : जिम्मेदारी किसकी ?

डॉ. प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। यह समाज को जोड़ भी सकता है और भटका भी सकता है। फर्क केवल इस बात से पड़ता है कि हम इसे किस तरह उपयोग करते हैं। यदि क्रिएटर्स जिम्मेदारी के साथ कंटेंट बनाएँ और दर्शक विवेकपूर्ण तरीके से उसे चुनें, तो यही प्लेटफॉर्म संस्कृति के संरक्षण और रचनात्मक अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा मंच बन सकता है। आखिरकार, संस्कृति किसी एक व्यक्ति, एक वीडियो या एक ट्रेंड से न तो बनती है और न ही खत्म होती है। यह समाज की सामूहिक चेतना और निर्णयों से आकार लेती है।

डिजिटल युग ने हमारे समाज की संरचना, सोच और अभिव्यक्ति के तरीकों को गहराई से बदल दिया है। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है-जहां पहले मनोरंजन और प्रसिद्धि के अवसर सीमित लोगों तक होते थे, वहीं अब हर व्यक्ति के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच है। लेकिन इस नए अवसर के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इन चुनौतियों में सबसे बड़ी बहस उस कंटेंट को लेकर है जिसे समाज का एक वर्ग फूहड़ या अशोभनीय मानता है। पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो तेजी से वायरल होते देखे गए हैं जिनमें डांस, अभिनय या मनोरंजन के नाम पर ऐसे हाव-भाव और प्रस्तुति दिखाई जाती है जिन्हें कई लोग सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन वीडियो को लाखों व्यूज, लाइक्स और शेयर मिलते हैं, जिससे वे और अधिक लोगों तक पहुंचते हैं। लोकप्रियता की इस दौड़ में कई बार कंटेंट की गुणवत्ता और सामाजिक जिम्मेदारी पीछे छूट जाती है।

समाज के एक बड़े वर्ग का मानना है कि इस प्रकार के कंटेंट का प्रभाव विशेष रूप से युवाओं और किशोरों पर पड़ता है। जब वे देखते हैं कि कुछ लोग केवल कुछ सेकंड के वीडियो बनाकर अत्यधिक प्रसिद्धि और आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं, तो उनके मन में भी वैसा ही करने की इच्छा पैदा हो सकती है। कई बार यह प्रेरणा रचनात्मक दिशा में जाती है-जैसे संगीत, कला, नृत्य या शिक्षा से जुड़े कंटेंट बनाना। लेकिन कई मामलों में यह प्रेरणा केवल वायरल होने की दौड़ में बदल जाती है, जहां ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी भी प्रकार का तरीका अपनाया जाता है। यह भी देखा गया है कि सोशल मीडिया पर ट्रेंड और एल्गोरिद्म का बहुत बड़ा प्रभाव होता है। जो कंटेंट अधिक देखा और साझा किया जाता है, वही तेजी से फैलता है। ऐसे में यदि दर्शक बार-बार उसी प्रकार के वीडियो देखते हैं जिन्हें वे स्वयं फूहड़ कहते हैं, तो अनजाने में वे उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा भी दे रहे होते हैं। इसलिए केवल कंटेंट बनाने वालों को दोष देना इस समस्या का पूरा समाधान नहीं है। दर्शक भी इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। दूसरी ओर, यह तर्क भी सामने आता है कि कला और मनोरंजन की अपनी स्वतंत्रता होती है। नृत्य, अभिनय और अभिव्यक्ति के कई रूप होते हैं, और हर व्यक्ति उन्हें अलग-अलग तरीके से देखता है। जो एक व्यक्ति को अनुचित लगता है, वही दूसरे के लिए केवल मनोरंजन या कला का एक रूप हो सकता है। इसी कारण इस विषय पर समाज में तीखी बहस देखने को मिलती है। कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं, जबकि अन्य इसे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण के रूप में देखते हैं।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है-क्या किसी भी प्रकार की लोकप्रियता को सफलता का मानक माना जाना चाहिए? सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि प्राप्त करने की प्रक्रिया को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी कलाकार को पहचान पाने में वर्षों लग जाते थे; आज एक वायरल वीडियो किसी को रातों-रात स्टार बना सकता है। लेकिन यह त्वरित प्रसिद्धि कई बार स्थायी नहीं होती और इसके सामाजिक प्रभाव भी जटिल हो सकते हैं। कई युवा इस भ्रम में पड़ सकते हैं कि केवल विवादास्पद या ध्यान आकर्षित करने वाला कंटेंट ही सफलता का रास्ता है। परिणामस्वरूप वे अपनी प्रतिभा को विकसित करने की बजाय तात्कालिक लोकप्रियता के पीछे भागने लगते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में मनोरंजन की गुणवत्ता पर भी असर डालती है।

संस्कृति की बात करें तो यह किसी एक व्यक्ति या एक पीढ़ी की देन नहीं होती। संस्कृति सदियों के अनुभव, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से बनती है। इसमें परिवर्तन भी होता रहता है-क्योंकि हर युग अपने साथ नए विचार और नए रूप लेकर आता है। लेकिन परिवर्तन और अतिरेक के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। जब मनोरंजन का उद्देश्य केवल सनसनी या ध्यान आकर्षित करना बन जाए, तो समाज में यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से दूर तो नहीं जा रहे। इस संदर्भ में परिवार, शिक्षा और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि इंटरनेट पर दिखने वाली हर चीज़ अनुकरण के योग्य नहीं होती। डिजिटल साक्षरता-यानी यह समझ कि ऑनलाइन दुनिया कैसे काम करती है-आज के समय की बड़ी आवश्यकता बन गई है। यदि युवा यह समझ पाएँ कि एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं, व्यूज और लाइक्स कैसे बढ़ते हैं, और किस प्रकार का कंटेंट उन्हें प्रभावित कर सकता है, तो वे अधिक जागरूक निर्णय ले सकेंगे।

कंटेंट क्रिएटर्स की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जो लोग लाखों दर्शकों तक पहुंच रखते हैं, उनके पास समाज को प्रभावित करने की शक्ति भी होती है। यदि वे अपनी लोकप्रियता का उपयोग सकारात्मक संदेश, रचनात्मक कला और प्रेरणादायक सामग्री के लिए करें, तो वही सोशल मीडिया समाज के लिए एक सशक्त मंच बन सकता है। कई उदाहरण ऐसे भी हैं जहां क्रिएटर्स ने शिक्षा, लोक संस्कृति, भाषा और परंपराओं को बढ़ावा देने का काम किया है और लाखों लोगों को प्रभावित किया है। इसलिए समाधान केवल विरोध या बहिष्कार में नहीं, बल्कि संतुलित दृष्टिकोण में है। समाज को यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार के कंटेंट को बढ़ावा देना चाहता है। यदि दर्शक रचनात्मक, ज्ञानवर्धक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सामग्री को अधिक समर्थन देंगे, तो स्वाभाविक रूप से वही कंटेंट अधिक दिखाई देगा। सोशल मीडिया का एल्गोरिद्म अंततः दर्शकों की पसंद पर ही निर्भर करता है।

इसके साथ ही प्लेटफॉर्म कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसे मानक और नीतियाँ विकसित करें जो समाज के व्यापक हितों का ध्यान रखें। कई प्लेटफॉर्म पहले से ही समुदाय दिशानिर्देश (लेीाीपळीू सीूळवशश्रळपशी) लागू करते हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि उन्हें कितनी गंभीरता से लागू किया जाता है। अंततः यह समझना जरूरी है कि संस्कृति की रक्षा केवल नारों या हैशटैग से नहीं होती। संस्कृति तब मजबूत होती है जब समाज अपने व्यवहार, चुनाव और प्राथमिकताओं के माध्यम से उसे जीवित रखता है। यदि हम वास्तव में अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें सकारात्मक विकल्पों को बढ़ावा देना होगा-चाहे वह लोक कला हो, पारंपरिक संगीत हो, साहित्य हो या आधुनिक लेकिन संवेदनशील और जिम्मेदार मनोरंजन।

सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। यह समाज को जोड़ भी सकता है और भटका भी सकता है। फर्क केवल इस बात से पड़ता है कि हम इसे किस तरह उपयोग करते हैं। यदि क्रिएटर्स जिम्मेदारी के साथ कंटेंट बनाएँ और दर्शक विवेकपूर्ण तरीके से उसे चुनें, तो यही प्लेटफॉर्म संस्कृति के संरक्षण और रचनात्मक अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा मंच बन सकता है। आखिरकार, संस्कृति किसी एक व्यक्ति, एक वीडियो या एक ट्रेंड से न तो बनती है और न ही खत्म होती है। यह समाज की सामूहिक चेतना और निर्णयों से आकार लेती है। इसलिए यह जिम्मेदारी हम सबकी है-क्रिएटर की भी, दर्शक की भी और समाज की भी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दुनिया में हो रहे संघर्ष चुने हुए नेताओं की नीतियों का नतीजा : प्रकाश झा

मुंबई/एजेन्सी

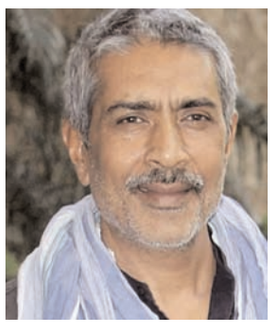

सत्याग्रह, राजनीति, गंगाजल, जय गंगाजल और आरक्षण जैसी गंभीर विषयों पर आधारित फिल्मों का निर्माण कर चुके निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा ने कलाकार की जिम्मेदारी के साथ ही देश-दुनिया के मौजूदा हालात पर खुलकर बात की। प्रकाश झा अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'संकल्प' को लेकर उत्साहित हैं, जिसकी निर्माता उनकी बेटी दिशा झा हैं। यह सीरीज जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इस बीच प्रकाश झा ने इराक-इजरायल सहित दुनिया के मौजूदा राजनीतिक माहौल पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का वैश्विक परिदृश्य लोगों द्वारा चुने गए नेताओं का परिणाम है, जो अपनी नीतियों से समाज की दिशा तय करते हैं। प्रकाश झा ने कहा, यह एक रोचक समय है। लोग ऐसे नेता चुन रहे हैं जिनका दौर, विचार, राजनीति और नेतृत्व शैली सब अलग है। मेरे लिए यह दिलचस्प है कि मैंने दुनिया को बदलते देखा है और इसके पीछे के सिस्टम को समझने की कोशिश की है। प्रकाश झा की फिल्में अक्सर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर आधारित होती हैं। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक माहौल में एक कलाकार के रूप में अपनी भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

प्रकाश झा ने बताया, मेरा काम है कि दुनिया में जो कुछ हो रहा है, उसे कहानियों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना और साझा करना। यही इसका मजेदार हिस्सा है। मैंने इसका आनंद लिया है और आगे भी लेता रहूंगा। मेरा स्पष्ट मानना है कि मैं समय नहीं बदल सकता। हमें समय के साथ बदलना पड़ता है। यही सत्य है। इसलिए मैं दुनिया में इन चीजों से प्रभावित होता हूं।

फिल्ममेकर ने आगे कहा, जब आप दया, विनम्रता और मानवता देखते हैं, तो विश्वास जागता है, लेकिन तबाही, मौत, पीड़ा और दर्द देखकर दुख होता है। यह जीवन का हिस्सा है और आपको समझना होगा कि आप इन समस्याओं को बहुत हद तक कम कर सकते हैं, बशर्ते घटनाओं के कारणों को समझकर उन्हें सही तरीके से बता सकें। यही प्रयास है, लेकिन मैं समाज और समय के साथ हूं और ईमानदारी से जीने की कोशिश कर रहा हूं। प्रकाश झा ने वैश्विक संघर्षों पर चिंता जताते हुए कहा कि ये सब चुने गए नेताओं की नीतियों का नतीजा हैं। उन्होंने जोर दिया कि कलाकार का दायित्व है कि वह इन मुद्दों को अपनी कला के जरिए उजागर करे, ताकि लोग जागरूक हों।

मालदीवः पूर्व राष्ट्रपति ने ईरान संघर्ष पर कहा, 'लोकतंत्र देश में बदलाव ला सकता हैं, बमबारी नहीं'

नई दिल्ली/भाषा। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों से पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच बुधवार को कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे व संस्थाओं के निर्माण से ही किसी देश में 'परिवर्तन' आ सकता है, न कि 'बमबारी' से।

नशीद ने यहां एक सम्मेलन से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि भले ही पुरानी विश्व व्यवस्था बदल रही है और एक नई व्यवस्था उभर रही है लेकिन ऐसा नहीं लगता कि अमेरिका स्वतंत्र विश्व का नेता है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले के बाद शुरू हुआ, जिसके जवाब में ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों वाले कई खाड़ी देशों पर हमला किया, जिससे वैश्विक विमानन परिचालन, तेल की कीमतों पर असर पड़ा तथा एक गंभीर ऊर्जा संकट उत्पन्न हो गया।

नशीद ने बातचीत के दौरान बताया कि इस संघर्ष ने मालदीव को किस तरह प्रभावित किया है।

मालदीव की अर्थव्यवस्था विदेशी पर्यटन पर बहुत अधिक निर्भर है। नशीद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम पर्यटन पर निर्भर हैं, यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। और जब दुबई और दोहा जैसे पश्चिम एशिया के प्रमुख पर्यटन केंद्र प्रभावित होते हैं, तो इसका पर्यटकों के आगमन पर बड़ा असर पड़ता है।

हंगामा

इंफाल के इमा कैथल इलाके में जनगणना से पहले एनआरसी लागू करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया, जिससे चारों ओर धुआं फैल गया।

मैं कभी भी एक अच्छी डांसर नहीं रहीं : जीनत अमान

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री जीनत अमान का कहना है कि वह कभी भी एक अच्छी डांसर नहीं रहीं। उन्होंने बताया कि जल्द ही फिल्मकारों को भी यह समझ आ गया था कि उनसे कठिन नृत्य कराने के बजाय उन्हें अपने सहज अंदाज में थिरकने के लिए छोड़ देना ही बेहतर है। जीनत अमान ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए सोमवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी 1979 की फिल्म 'द ग्रेट गैम्बलर' के गाने 'ओ दीवानों दिल संभालो' का एक वीडियो क्लिप साझा किया। जीनत अमान ने कहा, जैसा कि मैंने पहले भी जिक्र किया है कि मैं कभी भी बहुत अच्छी नर्तकी नहीं रही क्योंकि उस समय की अधिकांश अभिनेत्रियों की तरह मैंने नृत्य का कभी कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं लिया था। अभिनेत्री ने लिखा, इसके बावजूद, मैं ताल पर थिरकना जानती थी। कई निर्देशकों को भी यह समझ आ गया था कि मुझ पर कठिन नृत्य कराने का बोझ डालकर परेशान होने के बजाय मुझे मेरे अपने ही सहज अंदाज में थिरकने के लिए छोड़ देना कहीं बेहतर है। उन्होंने आशा भोसले द्वारा गाए गए इस गीत को अपना सबसे पसंदीदा गाना बताया। उन्होंने लिखा, 'द ग्रेट गैम्बलर' का एक और हिट! फिल्म का सबसे प्रिय गीत था, जिसे दर्शकों ने दिल खोलकर सराहा। इस गाने में कोई रोमांस नहीं है बल्कि ये एक ऐसी महिला के आत्मविश्वास और बेबाकी को दिखाता है जिसे इस बात का अच्छी तरह अहसास है कि उसके चाहने वाले बहुत हैं। शक्ति सामंत के निर्देशन में बनी इस फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार दिवंगत आर. डी. बर्मन ने तैयार किया था। फिल्म की कहानी बच्चन की दोहरी भूमिका, जय और विजय के इर्द-गिर्द घूमती है। वहीं, अमान शबनम के किरदार में नजर आई जिन्हें जय से प्रेम हो जाता है इस फिल्म में नीतू सिंह, प्रेम चोपड़ा, उत्पल दत्त, मदन पुरी , हेलेन सहित अन्य कलाकार भी थे।

दिव्या दत्ता की वेब सीरीज 'चिरैया' में बताया गया रिश्तों में सहमति का महत्व

मुंबई/एजेन्सी

सशक्त अभिनय के लिए जानी जाने वाली दिव्या दत्ता एक बार फिर दर्शकों के सामने एक अलग और संवेदनशील कहानी लेकर आ रही हैं। उनकी आगामी वेब सीरीज 'चिरैया' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इस सीरीज के जरिए समाज को यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि शादी किसी को भी जबरन अधिकार नहीं देती और रिश्तों में सहमति का महत्व सबसे ज्यादा होता है।

करीब 1 मिनट 43 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरुआत एक आदर्श परिवार से होती है। सीरीज में दिव्या दत्ता मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जबकि संजय मिश्रा उनके पति का किरदार निभा रहे हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि शादी के बाद भी पत्नी की सहमति सबसे अहम है और किसी भी तरह की जबरदस्ती गलत है। कहानी समाज में वर्षों से चली आ रही मानसिकता पर सवाल खड़े करती है।

निर्देशक शशांत शाह द्वारा निर्देशित इस सीरीज का निर्माण एसवीएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। सीरीज में दिव्या और संजय के अलावा सरिता जोशी, टीनू आनंद, फैसल राशिद, सिद्धार्थ शॉ और प्रसन्ना बिष्ट जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। छह एपिसोड वाली यह सीरीज 20 मार्च से जियो होस्टर पर स्ट्रीम होगी।

गैस सिलेंडर की किल्लत से रेस्तरां उद्योग की मुश्किलें बढ़ीं, व्यंजनों में कर रहे फेरबदल

नई दिल्ली/भाषा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच एलपीजी आपूर्ति में अनियमितता के कारण दिल्ली के कई रेस्तरां ईंधन की कमी का सामना कर रहे हैं, जिससे परोसे जाने वाले व्यंजनों में फेरबदल, लागत बढ़ने और कर्मचारियों के वेतन को लेकर चिंता जैसी समस्याएं पैदा होने लगी हैं। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि कई रेस्तरां फिलहाल वैकल्पिक इंतजामों के जरिये स्थिति संभालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन व्यवधान लंबे समय तक जारी रहने पर छोटे प्रतिष्ठानों के लिए बढ़ती लागत को संभाल पाना मुश्किल हो सकता है। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए घरेलू स्तर पर उत्पादित प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को एलपीजी उत्पादन, सीएनजी और पाइप से मिलने वाली रसोई गैस को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। गजट अधिसूचना के मुताबिक, इन क्षेत्रों की जरूरत पूरी होने के बाद ही अन्य उद्योगों को गैस दी जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां एसोसिएशन (एनआरएआई) के मानद कोषाध्यक्ष मनप्रीत सिंह ने कहा कि दिल्ली के कई रेस्तरां को नियमित एलपीजी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इस स्थिति में कुछ प्रतिष्ठान पाइप से होने वाली रसोई गैस आपूर्ति और इंडक्शन कुकिंग जैसे विकल्प अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में कई रेस्तरां ऐसे व्यंजन को बढ़ावा दे रहे हैं जिनमें कम गैस खपत होती है। इसके अलावा इंडक्शन उपकरणों के इस्तेमाल से बड़े पैमाने पर खाना पकाने का तरीका भी अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के शाहदरा स्थित उनके रेस्तरां 'अर्बन कबाब' में भी एलपीजी स्टॉक खत्म हो चुका है और अनियमित आपूर्ति के कारण रोजमर्रा के रसोई संचालन में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो परिचालन लागत कम करने के लिए कर्मचारियों के वेतन में कटौती या कुछ कर्मचारियों को हटाने जैसे कदम भी उठाने पड़ सकते हैं। 'द पियानो मैन' रेस्तरां शृंखला के संस्थापक अर्जुन सागर गुप्ता ने कहा कि उनके प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति रुक गई है, जिसके कारण उन्हें पाइप से मिलने वाली प्राकृतिक गैस पर निर्भर रहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने भी इस संबंध में परिपत्र जारी किया है और वे फिलहाल यह तय करने की कोशिश कर रहे हैं कि बिना गैस के कौन-कौन से व्यंजन बनाए जा सकते हैं।

'दरियागंज रेस्तरां' के सह-संस्थापक और एनआरएआई दिल्ली खंड के सह-प्रमुख अमित बग्गा ने कहा कि कई जगह एलपीजी सिलेंडर की कमी होने या उन्हें बाजार में अधिक कीमत पर बेचे जाने से कर्मचारियों की आजीविका पर भी असर पड़ सकता है।

हालांकि, कुछ प्रतिष्ठानों को अभी तक बड़ी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है। 'कारीगरी वेंचर्स' के प्रबंध निदेशक योगेश शर्मा ने कहा कि उनके अधिकांश दिल्ली स्थित रसोईघर आईजीएल की गैस पाइपलाइन से जुड़े हैं, जिससे ईंधन की आपूर्ति फिलहाल सामान्य बनी हुई है। इस बीच, एलपीजी सिलेंडर पर काफी हद तक निर्भर रहने वाले रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को भी आपूर्ति प्रभावित होने से तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इंडियन हॉकर्स एसोसिएशन से संबद्ध संदीप ने कहा, यदि सिलेंडर की कमी बनी रहती है तो कुछ विक्रेताओं को उंचे दाम पर काला बाजार से सिलेंडर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। ऐसे में उनकी लागत बढ़ने से कमाई पर गंभीर असर पड़ सकता है।

हल्लाबोल

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने अन्य सदस्यों के साथ बुधवार को नई दिल्ली स्थित एआईसीसी मुख्यालय पर एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

महाकाल की भक्ति में लीन हुईं कनिका मान, दर्शन के अनुभव को बताया दिव्य

उज्जैन/एजेन्सी

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री कनिका मान मध्य प्रदेश के उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंची। इस दौरान उन्होंने महाकालेश्वर मंदिर में बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया और काफी देर तक हाथ जोड़कर बाबा के भक्ति रस में डूबी नजर आईं।

माथे पर लाल चंदन लगाए नंदी महाराज के पास मौजूद अभिनेत्री बाबा महाकाल को निहारती नजर आईं। दर्शन के बाद अभिनेत्री ने बताया कि यह उनके लिए महाकाल के दर्शन का पहला अवसर था। कनिका ने कहा, यहां मैं पहली बार बाबा के दर्शन के लिए आई हूं और मुझे नहीं पता था कि मेरा अनुभव इतना खास व यादगार होगा। मैं बाबा की सच्ची भक्त हूं, इसलिए मंदिर जाना मेरे लिए उत्साह था, लेकिन यहां का अनुभव वाकई और भी अद्भुत था। उन्होंने भस्म आरती के बारे में खास तौर पर बात की।

कनिका ने कहा, भस्म आरती का अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा। वहां बहुत भीड़ थी, लेकिन मुझे ऐसा बिल्कुल महसूस नहीं हुआ कि कोई परेशानी हो रही है। जब मैं पीछे मुड़ी तो देखा कि इतनी बड़ी भीड़ है, फिर भी हर कोई शांति से और आराम से दर्शन कर रहा था। मुझे लगा कि सब वही दिव्य अनुभव ले रहे हैं जो मैं ले रही थी। मैं आगे की पंक्ति में बैठी थी और सब बहुत खुश नजर आ रहे थे। अभिनेत्री ने मंदिर प्रबंधन की तारीफ की। उन्होंने कहा, मंदिर कमिटी ने सारे इंतजाम इतने अच्छे तरीके से किए हैं कि किसी तरह की कोई समस्या नहीं हुई। सब कुछ बहुत सुव्यवस्थित था। इसलिए मैं सबको कहना चाहूंगी कि डरने की कोई जरूरत नहीं है। लोग सोचते हैं कि भीड़ ज्यादा है, दर्शन नहीं हो पाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। आप जरूर आ सकते हैं। कोई दिक्कत नहीं होगी। मैं खुद लास्ट मिनट में आई थी और फिर भी अच्छे से आगे बैठकर दर्शन किए।

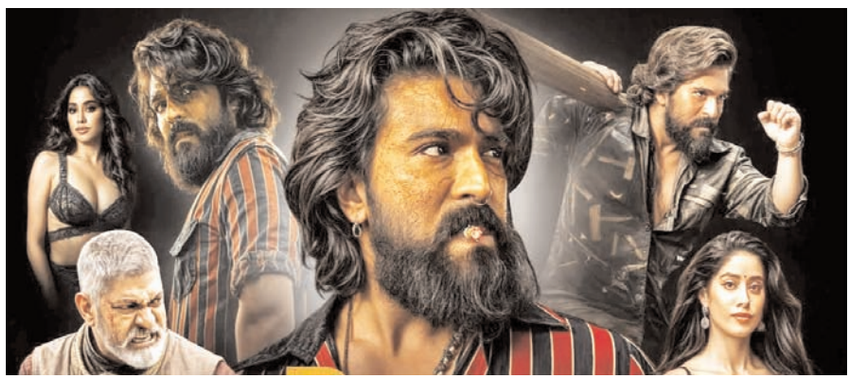

राम चरण की फिल्म 'पेड्डी' का नया पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेड्डी' लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। साल 2025 में रिलीज हुई गेम चेंजर के अपेक्षित प्रदर्शन न कर पाने के बाद दर्शकों की उम्मीदें अब इस फिल्म पर टिकी हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में जाह्नवी कपूर मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। अभिनेत्री के 29वें जन्मदिन के खास मौके पर निर्माताओं ने फिल्म से उनका नया पोस्टर जारी किया है।

30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही 'पेड्डी' में जाह्नवी कपूर 'अचियम्मा' नाम के किरदार में नजर आएंगी। जारी पोस्टर में उनका लुक बेहद दमदार और अलग दिखाई दे रहा है। सूती कपड़ों और गोल फ्रेम वाले चश्मे के साथ उनका अंदाज एक ग्रामीण और सशक्त युवती का एहसास कराता है। पोस्टर में जाह्नवी आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर नजर आ रही हैं।

इस फिल्म के जरिए पहली बार राम चरण और जाह्नवी कपूर की जोड़ी बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। हालांकि, यह जाह्नवी की दूसरी तेलुगु फिल्म है।

इससे पहले वह जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' में नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'पेड्डी' को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्साह बना हुआ है और अब जाह्नवी के नए लुक ने फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है।

शाहरुख संग काम करने के लिए उत्सुक हूं : सौरभ शुक्ला

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर सौरभ शुक्ला ने सुपरस्टार शाहरुख खान की करियर जर्नी और उनकी शानदार पर्सनैलिटी की जमकर तारीफ की है। 'बादशाह' और 'हे राम' जैसी फिल्मों में शाहरुख के साथ काम कर चुके सौरभ अपकमिंग फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि शाहरुख की जर्नी शानदार और दूसरों के लिए प्रेरणा है। सौरभ शुक्ला ने बताया, शाहरुख की जर्नी शानदार है। इतने सालों से वह इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं और जिस तरह से उन्होंने अपना करियर बनाया है, उस पोजीशन पर पहुंचे हैं, वह वाकई प्रेरणा देता है। उन्होंने शाहरुख के व्यक्तित्व को लेकर कहा, एक इंसान के तौर पर वह हमेशा से बहुत चार्मिंग रहे हैं। आप उनसे मिलते हैं तो बस बात खत्म नहीं करना चाहते। वह अपने काम से प्रभावित करते हैं और बातचीत के दौरान आपको बहुत महत्व और खास महसूस कराते हैं।

सौरभ ने आगे बताया, शाहरुख में लोगों से जुड़ने की खास काबिलियत है। बात करते वक्त ऐसा लगता है कि इस बातचीत में मेरी भी जरूरत है। यही अपनापन उन्हें सच में कमाल का बनाता है। वह बहुत कमाल के हैं। 'किंग' एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें शाहरुख खान जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे।

फिल्म में शाहरुख खान, सौरभ शुक्ला के साथ अभिषेक बच्चन, दीपिका पादुकोण, शाहरुख की बेटी सुहाना खान और जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मेकर्स ने इसी साल जनवरी में 'किंग' की झलक दिखाते हुए प्रोमो जारी किया था, प्रोमो में शाहरुख खान जबरदस्त एक्शन करते नजर आए।

प्रोमो में खून-खराबे और हाई-वोल्टेज एक्शन से भरपूर सीन हैं, किंग के प्रोमो में शाहरुख का किरदार कहता है, डर नहीं, दहशत हूं। सिद्धार्थ आनंद की फिल्म रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मारफ्लिक्स पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है। प्रोमो के साथ ही मेकर्स ने प्रशंसकों को जानकारी दी कि फिल्म इसी साल 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'नागजिला' में अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'नागजिला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के जरिए साउथ इंडस्ट्री की अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म से प्रीति अपना हिंदी फिल्मी सफर शुरू करेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के निर्माता प्रीति के चयन से काफी खुश हैं। सूत्रों का कहना है कि वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। फिल्म में उनका किरदार मजेदार और कॉमेडी से भरपूर होगा, जो कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। प्रीति भी अपने इस किरदार को लेकर काफी उत्साहित हैं और दर्शकों के सामने एक नया अंदाज पेश करने के लिए तैयार हैं।

प्रीति मुकुंदन एक अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं, जिन्होंने साउथ भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2024 में तेलुगू हॉरर-कॉमेडी फिल्म ओम भीम बुश से की थी। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म स्टार में काम किया। वहीं मलयालम फिल्म मैंने प्यार किया भी उनके खाते में शामिल है। इसके अलावा प्रीति को विष्णु मांचू और अक्षय कुमार अभिनीत तेलुगू फिल्म कन्नप्पा में भी देखा जा चुका है। अब 'नागजिला' के जरिए उनका बॉलीवुड डेब्यू दर्शकों के लिए खास होने वाला है।

आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वर 'राष्ट्ररत्न' अलंकरण से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित तीन दिवसीय दादा गुरुदेव चादर महोत्सव के आखिरी दिन रविवार को विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजनों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी को 'राष्ट्ररत्न' की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा द्वारा सम्मान पत्र प्रदान कर दिया गया। साथ ही दादागुरु श्री जिनदत्तसूरी चादर महोत्सव समिति, जैसलमेर जैन ट्रस्ट व अन्य समितियों की ओर से 'सूरीसम्राट' की उपाधि प्रदान की गई। उपाध्यायश्री महेंद्रसागरजी को 'आचार्य पद' से अलंकृत किया गया। बेंगलूरु से कार्यक्रम के संयोजक तेजराज गुलेच्छा ने बताया कि इस समारोह के पूरे भारतवर्ष से बीस हजार से अधिक लोग गवाह बने।

कार्यक्रम के वित्त प्रभारी बेंगलूरु के कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि तीन दिवसीय दादा गुरुदेव के जीवन पर आधारित जीवन परिचय को दर्शाने वाली म्यूजियम प्रदर्शनी को ग्रामीण व शहर के अनेकों लोगों ने देखा। इस महोत्सव में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत उपस्थित थे। चादर समिति के सदस्य ललित डाकलिया ने बताया कि चादर महोत्सव में

बेंगलूरु दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, संघवी विजयराज डोसी की उपस्थिति के साथ भोजन समिति के कार्य में महेन्द्र कुमार रांका, सुरेन्द्र कुमार रांका, रणजीत ललवानी के साथ बेंगलूरु के पचास से अधिक सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। इसके साथ ही कार्यक्रम में गणिनी पद समारोह का भी आयोजन किया गया।

साध्वी सुभ्रदा श्रीजी को गणिनी पद दिया गया। उपाध्याय मनितप्रभसागरजी द्वारा लिखित 'दि यूनिवर्सल ट्रूथ' एवं डॉ विद्युत्प्रभा श्रीजी की पुस्तक 'गुरुदेव' का विमोचन भी हुआ। कार्यक्रम गच्छाधिपति आचार्यश्री मणिप्रभ सूरी जी की पावन निश्रा में सम्पन्न हुआ। चादर महोत्सव के अंत में सभी श्रद्धालुओं को चादर अभिषेक जल और वासक्षेप वितरित किया गया।

कैंसर एवं थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ की लेडीज विंग द्वारा कैंसर एवं थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता सत्र का आयोजन वसंतनगर स्थित एक सभागार में आयोजन किया गया। लेडीज विंग चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना व जीतो चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों व महिलाओं का स्वागत किया।

इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के अनेक सदस्य उपस्थित थे। ङ्कमुख्य वक्ता के रूप में मणिपाल हॉस्पिटल की मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. पूनम पाटिल ने कैंसर के विभिन्न प्रकारों के बारे में जानकारी देते हुए समय पर जांच और जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर के लिए नियमित सेल्फ-एग्जामिनेशन और मैमोग्राफी, ओवेरियन कैंसर में शुरुआती लक्षणों पर ध्यान, सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन व स्क्रीनिंग, कोलोरेक्टल कैंसर की रोकथाम हेतु संतुलित आहार तथा ओरल कैंसर से बचाव के लिए तंबाकू एवं नशे से दूर रहना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों के परिवार में कैंसर की फैमिली हिस्ट्री हो, उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। अन्य वक्ता के रूप में उपस्थित संकल्प फाउंडेशन के पीडियाट्रिक हीमेटो-ऑन्कोलॉजिस्ट एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. मोहन रेड्डी ने स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से थैलेसीमिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह एक आनुवंशिक रक्त रोग है जो माता-पिता से बच्चों में आता है, इसलिए समाज में इसके प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विवाह से पहले थैलेसीमिया की जांच (स्क्रीनिंग टेस्ट) करवाने की सलाह दी, जिससे भविष्य में बच्चों को इस बीमारी से बचाया जा सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लेडीज विंग की सदस्याओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने किया।

तप आत्मशुद्धि का सबसे सशक्त माध्यम है : ज्ञानमुनि

श्रेयांस पारणा समिति द्वारा वर्षीतप प्रारंभ दिवस कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में पंडितरत्नश्री ज्ञानमुनिजी एवं उपप्रवर्तिनीश्री सत्यप्रभाजी के सान्निध्य में आदिनाथ ऋषभदेव भगवान के जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक के पावन पवित्र दिवस पर श्रेयांस पारणा समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केन्द्र में अनेक श्रावक श्राविकाओं ने वर्षीतप प्रारंभ किया तथा प्रत्याख्यान ग्रहण किए। लगभग 400 दिनों तक चलने वाली तेरह महीने की यह वर्षीतप आराधना आज की तिथि चैत्र वदी अष्टमी से शुरू होकर आगामी वर्ष अक्षय तृतीया तिथि तक चलेगी। बुधवार यानी आज तीर्थंकर परमात्मा ऋषभ देव भगवान

के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक दिवस भी है। वर्षी तप आराधना आज प्रारंभ करने वाले साधक आज से एक उपवास एक पारणा की विधि द्वारा निरंतर तपस्या करेंगे जो आगामी वर्ष के अक्षय तृतीया के दिन इस वर्षी तप आराधना की पूर्णाहुति होगी।ङ्कइस मौके पर ज्ञानमुनिजी, साध्वीश्री सत्यप्रभाजी व तरुणशीलाजी ने कहा कि जैन धर्म में तप का विशिष्ट महत्व है। तप-जप करने से हमारे कर्मों की निर्जरा होती है और हमारी आत्मा पवित्र, निर्मल, शुद्ध बनती है। शूरवीर ही तप कर सकते हैं। हमारे मन को मजबूत और हमारी भावना को दृढ़ करके ही तप साधना आराधना की जा सकती है। तप विषय विकार, कषाय,वासना और कर्म काटने कि परम औषधि है। भगवान महावीर ने अनशन, ऊनोदरी, स्वाध्याय, ध्यान आदि बाहर प्रकार के तप बतलाए है। श्रेयांस पारणा समिति द्वारा सभी श्रद्धालुओं तपस्वियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन शांतिलाल बोहरा ने किया। आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीर चंद मेहता ने सभी तपस्वियों की तप की अनुमोदना की।

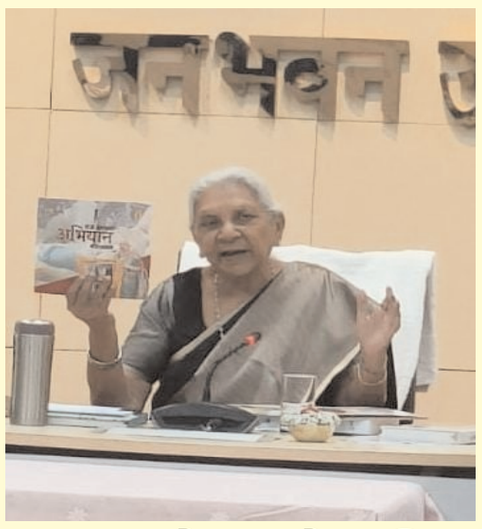

उत्तरप्रदेश में 'शिक्षा और स्वास्थ्य' को उच्चतम स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल शिक्षा के क्षेत्र में 'केजी टू पीजी' अभियान पर दे रही हैं विशेष ध्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। भारत सरकार के डेवलपमेंट कम्युनिकेशन एंड इंफॉर्मेशन डिसेमिनेशन कार्यक्रम के अंतर्गत जनकल्याणकारी नीतियों, विकासपरक योजनाओं एवं आधारभूत अवसंरचना सुदृढ़ीकरण की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की ओर से 10 सदस्यीय विशेष मीडिया टीम ने उत्तरप्रदेश राज्य की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से लखनऊ स्थित जनभवन में मुलाकात की। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पत्रकारों को वर्ष 2019 से अब तक उनके कार्यकाल में उत्तरप्रदेश में 'केजी टू पीजी' अभियान के तहत व्यावहारिक शिक्षा से उच्च शिक्षा तक किए गए नवाचार, बदलाव व सुधार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'केजी टू पीजी' अभियान के तहत उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए लक्ष्य आधारित कार्य किए तथा शिक्षा की गुणवत्ता को और बढ़ाने के लिए अनेक नवाचार किए। उनका लक्ष्य है कि राज्य में 3 वर्ष की आयु का हर एक बच्चा आंगनवाड़ी स्कूल में आए और इस लक्ष्य में उन्होंने शत प्रतिशत सफलता प्राप्त की है। उन्होंने गुजरात की शिक्षामंत्री व मुख्यमंत्री रहते हुए शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्य बताते हुए कहा कि किसी भी बच्चे को स्कूल में नियमित बनाने के लिए सरकार को पाठ्य पुस्तक प्रकाशन, समयबद्ध उपलब्धता, स्कूली गणवेश में सहयोग, बच्चों को स्वयं परिवार जन व गांव वालों की ओर से मिलने वाला प्रोत्साहन बहुत जरूरी होता है।

सुनने और सीखने की आदत पर ही सफलता मिलेगी

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उत्तरप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के बारे में बताते हुए कहा कि वर्ष 2019 से जब उन्होंने राज्यपाल के रूप में उत्तरप्रदेश की कमान संभाली थी तब उत्तरप्रदेश की शिक्षा का स्तर 'बी ग्रेड' का था पर आज हमारे लिए गर्व का विषय है कि उनके व उनकी सरकार के सतत प्रयास से उत्तरप्रदेश की शिक्षा की गुणवत्ता में बहुत सुधार आया है। उन्होंने बताया कि राज्य में शिक्षा प्रणाली का मूल्यांकन करने वाली एजेन्सी नेक(एनएएसी) व अन्य संस्थानों ने उत्तरप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को उच्च स्तर का बताया है। पटेल ने बताया कि वे हमेशा से शिक्षा की हिमायती रही हैं और इसके चलते राज्यपाल बनते ही उन्होंने राज्य में हर स्कूलों व विद्यालयों की व्यक्तिगत तौर पर समीक्षा की और कोरोना काल में उनके इस प्रयास को पंख लग गए। उन्होंने बताया कि वैसे तो किसी भी राज्य का राज्यपाल हर महाविद्यालय का कुलपति होता है, फिर भी उन्होंने अपनी टीम के साथ राज्य के सभी स्कूल व महाविद्यालयों की आंतरिक समीक्षा की, फिर हर दिन पांच-पांच महाविद्यालय के पदाधिकारियों से मिलकर उनके संस्थानों की समस्या को जाना और अपने अधिकार क्षेत्र में रहकर उनका समाधान किया, साथ ही महाविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों को इस प्रक्रिया से जोड़ा। श्रीमती पटेल ने बताया कि यदि हमारी आदत सुनने और सीखने की होगी तो हमें सफलता अवश्य मिलेगी।

महाविद्यालय को शिक्षा के साथ समाजसेवा के कार्य भी करने चाहिए

आनंदीबेन पटेल ने बताया कि हमने राज्य के सभी महाविश्वविद्यालय व विद्यालयों को नई शिक्षा नीति-2020 को अपने अपने संस्थानों में लागू करने का समय दिया और नियमित रूप से होने वाले कार्यों को लिखित रूप से राजभवन में रिपोर्ट करने की सलाह दी गई जिसका परिणाम यह हुआ कि दो साल में सभी स्कूल, महाविद्यालय व महाविश्वविद्यालय में शिक्षा नीति को लागू कर दिया गया और राज्य के कई यूनिवर्सिटियां ने नेक रैंकिग में 'ए' व 'ए+' स्थान प्राप्त कर उत्तरप्रदेश का नाम रोशन किया। राज्यपाल ने कहा कि आंगनबाड़ी भर्ती, शिक्षक नियुक्ति व अन्य चयन प्रक्रियाएं पारदर्शी व योग्यता आधारित होनी तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में विकास तभी संभव है जब व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता आधारित हो। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र के सुधार और महिला सशक्तिकरण के लिए कई नीतियां लागू की हैं। राज्यपाल ने कहा कि महाविश्वविद्यालयों को शिक्षा के साथ समाजसेवा के कार्य भी करना चाहिए इसी सोच के साथ आज कई यूनिवर्सिटियां अपने अपने क्षेत्र के 5 गांव गोद लेकर उन गांवों के विकास के लिए जल सरंक्षण, पर्यावरण विकास, स्वच्छता अभियान, निर्माण कार्य में सहयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी महाविद्यालय के अधिकारियों को शिक्षा विकास के लिए अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी तथा बच्चों से जुड़ना होगा तभी बच्चे विशेषकर युवतियों अपने बारे में खुलकर बात करेंगी। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंथन के माध्यम से खुली सोच के साथ विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को विचार विर्मश करना चाहिए।

इस मौके पर उपस्थित जनभवन के अपर मुख्य सचिव सुधीर बोबड़े ने कहा कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व में आज उत्तरप्रदेश की शिक्षा की गुणवत्ता अन्य अग्रणी राज्यों के समान व उनसे बेहतर है। उन्होंने जनभवन के नेतृत्व में राज्य भर में हुए स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अब तक राज्य की 50हजार आंगनवाड़ियों में बच्चों के विकास के लिए टेबल, कुर्सी आदि से लैस 25 हजार किट दिए जा चुके हैं।

पूरे उत्तरप्रदेश में टीबी रोग से मुक्ति दिलाने के लिए व्यापक रूप से अभियान चलाए जा रहे है। 10 से 14वर्ष की आयु की युवतियों को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए टीके लगवाए जा रहे है। अब तक राज्य के 8 जिलों में 3लाख से अधिक आदिवासी युवतियों को 2400 रुपए मूल्य के दो टीके विभिन्न कम्पनियों के सीएसआर योजना के तहत बिल्कुल मुफ्त लगाए जा चुके हैं। राज्यपाल के शिक्षा सलाहकार व ओएसडी पंकज जानी ने बताया कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का मानना है कि अधिकारियों की नियुक्ति में सरलीकरण व पारदर्शिता होनी चाहिए तभी सिस्टम में नई सोच का संचार होगा। राज्यपाल का मानना है कि राज्य में शिक्षा और स्वास्थ्य का विकास होगा तभी सबका साथ, सबका विश्वास और सबका विकास होगा। इस अवसर पर पत्र सूचना कार्यालय(पीआईबी) गुवाहाटी के एडीजी कृपाशंकर यादव, लखनऊ के पीआईबी निदेशक दिलीप कुमार शुक्ला, बेंगलूरु की सहायक निदेशक करिश्मा पंत सहित कर्नाटक व त्रिपुरा राज्य के पत्रकार उपस्थित थे।

समय पर उपचार व नियमित जांच से कैंसर एवं थैलेसीमिया से बचा जा सकता है : डॉ अन्नपूर्णा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग द्वारा हेल्थ एवं न्यूट्रिशन वर्टिकल के अंतर्गत शंकरा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में कैंसर एवं थैलेसीमिया विषय पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी व साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया। मुख्य सचिव नितिन लूनिया ने इस सामाजिक पहल की सराहना की। ङ्कइस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. अन्नपूर्णा ने सर्वाइकल कैंसर के लक्षण जैसे असामान्य सफेद स्राव, अनियमित रक्तस्राव, कमर दर्द तथा गंभीर स्थिति में अन्य शारीरिक समस्याओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पैप स्मीयर टेस्ट के माध्यम से इस वायरस का प्रारंभिक चरण में ही पता लगाया जा सकता है, जिससे समय रहते उपचार संभव हो जाता है। उन्होंने रोकथाम के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की, जिसमें धूम्रपान से बचना, नियमित जांच कराना, टीकाकरण तथा जागरूकता शामिल है। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीन 20 वर्ष की आयु से पहले लेना अधिक लाभदायक होता है और 26 वर्ष तक भी लिया जा सकता है। इसके बाद नियमित स्क्रीनिंग कराना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन देशों में टीकाकरण व्यापक रूप से किया गया है, वहाँ सर्वाइकल कैंसर के मामलों में लगभग 80 प्रतिशत तक कमी आई है। साथ ही उन्होंने यह भ्रांति भी दूर की कि यह वैक्सीन बांझपन का कारण बनती है या केवल यौन सक्रिय लोगों के लिए ही है। थैलेसीमिया विषय पर बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आनंद ने बताया कि यदि माता-पिता दोनों ही थैलेसीमिया माइनर के वाहक हों, तो बच्चे के थैलेसीमिया रोग से पीड़ित होने की संभावना रहती है। ऐसे बच्चों को नियमित रूप से लगभग हर दो महीने में रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। उन्होंने विवाह से पूर्व जांच एवं जागरूकता को इस बीमारी की रोकथाम के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। इस सत्र में प्रतिभागियों के साथ अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ को भी आमंत्रित किया गया, जिससे कार्यक्रम और अधिक ज्ञानवर्धक एवं प्रभावशाली बन गया। कार्यक्रम का संचालन निधि पालरेचा ने किया। इस मौके पर अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

हर दिन कुछ नया सीख कर हम 'महिला दिवस' को सफल बना सकते हैं : नमिता दुगड़

ब्यावर युवा महिला विंग द्वारा 'मेरी सोच मेरी पहचान' कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय ब्यावर संघ के तत्वाधान में ब्यावर युवा लेडीज विंग द्वारा विश्व महिला दिवस के अवसर पर सुराणा कॉलेज में बुद्धिमता विषय पर महिलाओं के लिए 'मेरी सोच मेरी पहचान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 75 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र एवं पौधे में जल अर्पण द्वारा किया गया। संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी का स्वागत करते हुए महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। लेडीज विंग संयोजिका संगीता पारख ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। संयोजिका मोनिका कुमट ने संचालन किया।

मुख्य वक्ता नमिता दुगड़ ने बताया कि महिला दिवस मनाने का सही तरीका है जब हम कुछ नया सीखें। हमें सर्वप्रथम अपने घर, परिवार के सभी सदस्यों के साथ सौहार्द से रहना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपसी तालमेल रिश्तों में मिठास घोलती है। सास-बहू, मां -बेटी, भाई-बहन, पति -पत्नी आदि अनेक रिश्तों में प्यार तब बढ़ता है जब हम एक दूसरे की भावनाओं को समझते हुए कार्य करते हैं। अपने बड़ों से सीखे गए कार्य, हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। उसी तरह से बड़ों को देखकर ही बच्चे सही व गलत कार्य करते हैं। हर किसी व्यक्ति के देखने का नजरिया अलग होता है। परमात्मा महावीर के अनेकान्तवाद के सिद्धांतो को जीवन में अपनाकर सभी को उनकी नजर से देखना चाहिए। परिवार के साथ बिताया गया समय हमें हमारे परिवार के नजदीक लाता है। हर उस व्यक्ति का हमें शुक्रिया अदा करना चाहिए जिनसे हम कुछ सीखते हैं और सामने वाले को उसके द्वारा किए गए अच्छे कार्यों के लिए उसकी सराहना अवश्य करनी चाहिए। हमें हमारी संस्कृति और परम्परा का ध्यान रख कर जीवन में आगे बढ़ना होगा तभी आगे आने वाली पीढ़ियों को हम कुछ सकारात्मक संदेश दे पाएंगे। रोज कुछ नया सीखना समय का सदुपयोग करना और हमेशा सकारात्मक सोच रखना व सही बोलना ही सही मायने में महिला दिवस को सार्थक करेगा। उन्होंने कहा कि कभी भी अपने आप को लाचार नहीं समझना। ङ्कइस अवसर पर राजस्थान संघ की पूर्व अध्यक्षा रतनी बाई मेहता ने उपस्थित सभी महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। अन्य वक्ता कामधेनु गौशाला की अध्यक्षा शारदा चौधरी ने घूंघट से बाहर निकल कर अपनी स्वयं की पहचान बनाने की कहानी सुनाकर सभी को प्रेरित किया। रत्न हितैषी श्रविका मंडल की अध्यक्षा प्रभा गुलेच्छा ने सुंदर कविता के माध्यम से महिलाओं तथा ब्यावर युवा लेडीज विंग के कार्यों की सराहना की। घरेलू देशी सामान से निर्मित दवाइयों से साधु संतों की वैयावच्च सेवा का लाभ लेने वाली सरोज गिरिया ने अपनी शारीरिक अस्वस्थता की जीवन यात्रा के बारे में बताया और जरूरतमंदों की सेवा हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को जीवन जीने की कला को सीखना है। संयोजिका चंदू डाकलिया व कंचन छाजेड़ ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सहयोग प्रदान किया। सीमा बोहरा ने धन्यवाद दिया।

संस्कृति, सभ्यता सुरक्षित रहेगी, तभी हमारा धर्म भी सुरक्षित रहेगा : विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में बुधवार को प्रातः प्रवचन में शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि दान श्रावक का प्रथम कर्तव्य है। दानी की महिमा तीनों लोक में गाई जाती है। स्वयं तीर्थंकर परमात्मा भी अपनी दीक्षा ग्रहण करने से पूर्व एक वर्ष तक वर्षीदान देते हैं और जगत के समक्ष दान के महत्व का एक आदर्श स्थापित करते हैं। दूसरे रूप में सबसे बड़ी दानेश्वरी जगत में मां है। जो सवा नौ महीने अपने शिशु को गर्भ में रखकर सब प्रकार की शारीरिक, मानसिक वेदना, सब परिषह सहन करते हुए अपनी संतान को जन्म देती है। मां का हम सब पर महान उपकार है। माता, पिता के महान उपकारों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। ङ्कङ्कआज की युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि माता-पिता के उपकारों का ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता है। माता-पिता का आदर सम्मान और उनकी तन, मन, धन से पूरी सेवा करना संतान का पहला प्रमुख कर्तव्य होना चाहिए। माता-पिता द्वारा दी गई हित शिक्षा, संस्कार आगे चलकर जीवन भर हमारे काम आते हैं और आने वाली हर परेशानी से बचाते हुए कदम कदम पर हमारा मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने सबसे बड़ा दान अभय दान को बतलाया है। भौतिकता की चकाचौंध में युवा पीढ़ी व्यसन और फैशन में मस्त, मशगूल होकर अपने धर्म, सभ्यता और संस्कृति, संस्कारों को विस्मृत करती जा रही है। धर्म, संस्कृति एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। हमारी संस्कृति अहिंसक संस्कृति है। जो परस्पर जीवों के सहयोग पर आधारित है। हमारी संस्कृति, सभ्यता सुरक्षित रहेगी तभी हमारा धर्म भी सुरक्षित रहेगा। इस अवसर पर हनुमंतनगर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, मंत्री सुरेश कुमार धोका सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**